RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 4 सोमवार 28 अप्रैल से 4 मई, 2025 पृष्ठः 8 मूल्य : ₹3/=

वेंकटेश्वरा में 'यूथ सम्मिट-2025' का शानदार आयोजन ...5

पीएम मोदी ने देश को फिर दिलाया आतंक के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा-बोले

पहलगाम के पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को न्याय मिलेगा और दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन रिपीट मन की बात की 121 वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले से देश का हर व्यक्ति पीड़ा और आक्रोश में है। उन्होंने कहा कि हमले से पीड़ित प्रत्येक परिवार के प्रति हर व्यक्ति की संवेदना है। उन्होंने कहा, 'मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूँ कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।' श्री मोदी ने कहा कि जिन लोगों ने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है, उनका दर्द देश का प्रतीक व्यक्ति महसूस कर रहा है। हर भारतीय का खून आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'पहलगाम में हुआ ये हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में चहल- पहल थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे।

देश और जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। उन्होंने, 'आतंकी और आतंक के आका चाहते हैं, कश्मीर फिर से तबाह हो जाए और इसलिए इतनी बड़ी साजिश को अंजाम दिया।' श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में देश की एकता, 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता, हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यही एकता, आतंकवाद के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है। हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना है। आज दुनिया देख रही है, इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के हम लोगों में जो आक्रोश है, वही आक्रोश पूरी दुनिया में है। इस आतंकी हमले के बाद लगातार दुनिया-भर से संवेदनाएं आ रही हैं। मुझे भी वैश्विक नेताओं ने फोन किए हैं, पत्र लिखे हैं, संदेश भेजे हैं। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सब ने कठोर निंदा की है। उन्होंने मृतकों के परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं। पूरा विश्व, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में भारतीयों के साथ खड़ा है।

युवाओं ने दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश का युवा विज्ञान, तकनीक और नवाचार की ओर बढ़ रहा है और उसने दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदलने का काम किया है। श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में आज कहा, आज हम पूरी दुनिया में भारत के प्रतिभा की तारीफ होते देखते हैं।

भारत के युवाओं ने भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया है, और किसी भी देश के युवा की रुचि किस तरफ है, किधर है, उससे पता चलता है कि देश का भविष्य कैसा होगा। आज भारत का युवा विज्ञान, तकनीक और नवाचार की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे इलाके, जिनकी पहचान पहले पिछड़ेपन और दूसरे कारणों से होती थी, वहां भी युवाओं ने ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जो हमें, नया विश्वास देते हैं। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा का विज्ञान केंद्र आजकल सबका ध्यान खींच रहा है। कुछ समय पहले तक, दंतेवाड़ा का नाम केवल हिंसा और अशान्ति के लिए जाना जाता था, लेकिन अब वहाँ, एक साइंस सेंटर , बच्चों और उनके माता-पिता के लिए उम्मीद की नई किरण बन गया है। इस साइंस सेंटर में जाना बच्चों को खूब पसंद आ रहा है। वे अब नईझनई मशीनें बनाने से लेकर तकनीक का उपयोग करके नए उत्पाद बनाना सीख रहे हैं। उन्हें 3डी प्रिंटर्स और रोबोटिक कारों के साथ ही दूसरी नवाचार चीजों के बारे में जानने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, ₹अभी कुछ समय पहले मैंने गुजरात साइंस सिटी में भी साइंस गैलरीज का उद्घाटन किया था। इन गैलरीज से ये झलक मिलती है कि आधुनिक विज्ञान की संभावना क्या है, विज्ञान हमारे लिए कितना कुछ कर सकता है। मुझे जानकारी मिली है कि इन गैलरीज को लेकर वहाँ बच्चों में बहुत उत्साह है। विज्ञान और नवाचार के प्रति ये बढ़ता आकर्षण जरूर भारत को नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

भारत को मिलेंगे 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमान

पाकिस्तान से तनाव के बीच फ्रांस से 63000 करोड़ की डील

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण रिश्ते के बीच भारत और फ्रांस ने सोमवार को दिल्ली में 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों के लिए 63 हजार करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए। भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया, जबकि नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल के स्वामीनाथन भी मौजूद थे। इससे पहले फ्रांस के रक्षा मंत्री खुद हस्ताक्षर समारोह में शामिल होने वाले थे, लेकिन उन्हें व्यक्तिगत कारणों से अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। हालांकि, हस्ताक्षर समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद थे।

जुलाई 2023 में रक्षा मंत्रालय ने विचार-विमर्श और मूल्यांकन परीक्षणों के बाद मेगा अधिग्रहण के लिए प्रारंभिक स्वीकृति दी थी। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को राफेल (मरीन) जेट विमानों के निमार्ता डसॉल्ट एविएशन से हथियार प्रणाली और कलपुर्जे सहित संबंधित सहायक उपकरण भी मिलेंगे।

राफेल एम जेट आईएनएस विक्रांत से संचालित होंगे और मौजूदा मिग-29के बेड़े का सहयोग करेंगे। भारतीय वायु सेना पहले से ही 2016 में खरीदे गए 36 राफेल विमानों का बेड़ा संचालित कर रही है। ये विमान अंबाला और हासीमारा में स्थित हैं। इस नए सौदे से भारत में राफेल जेट विमानों की कुल संख्या बढ़कर 62 हो जाएगी, जिससे देश के 4.5 पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के बेड़े में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय विमानवाहक पोतों, विशेष रूप से आईएनएस विक्रांत पर तैनाती के लिए 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों की तत्काल आवश्यकता है।

इस फाइटर जेट के वजन की बात करें तो राफेल की तुलना में राफेल मरीन का वजन थोड़ा अधिक है। जानकारी के मुताबिक, इस लड़ाकू विमान का वजन लगभग 10,300 किलोग्राम है। राफेल विमान के विंग्स मुड़ नहीं सकते हैं, लेकिन राफेल मरीन के विंग्स पूरी तरह से मुड़ सकते हैं।

मिग-29के लड़ाकू विमानों के बेड़े को हटाने की तैयारी

बता दें कि खराब प्रदर्शन और रखरखाव संबंधी मुद्दों के कारण मिग-29के लड़ाकू विमानों के मौजूदा बेड़े को हटाने की तैयारी की जा रही है। 9 अप्रैल को समिति ने सबसे बड़े रक्षा सौदे को दी थी मंजूरी भारत ने इस महीने की शुरूआत में 9 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की बैठक के दौरान 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों के लिए अपने सबसे बड़े रक्षा सौदे को मंजूरी दी थी। इस अनुबंध में 22 सिंगल-सीटर और चार टिवन-सीटर जेट शामिल हैं, साथ ही बेड़े के रखरखाव, रसद सहायता, कर्मियों के प्रशिक्षण और स्वदेशी घटक निर्माण के लिए एक व्यापक पैकेज भी शामिल है।

राफेल मरीन की खासियत

एक मिनट में 18 हजार मीटर की ऊंचाई पर जा सकता है राफेल मरीन
राफेल मरीन विमान एक मिनट में 18 हजार मीटर की ऊंचाई पर जा सकता है। पाकिस्तान के पास मौजूद ए-16 और चीन के पास मौजूद जे-20 विमानों से राफेल ज्यादा बेहतर है। ये विमान अपनी अपनी उड़ान वाली जगह से 3700 किलोमीटर दूर तक हमला कर सकता है। इसको विमानवाहक युद्धपोत के लिए खास तैयार किया गया है। यह दुश्मनों के रडार को चकमा देने में सक्षम है। राफेल विमान हिमालय के ऊपर बेहद सर्द मौसम में भी उड़ सकता है।

पहलगाम हमले के बाद सीएम योगी का बड़ा एक्शन

यूपी से पाकिस्तानी नागरिकों को चुन-चुन कर किया बाहर

लखनऊ। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश से पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश और पल-पल मॉनिटरिंग का नतीजा है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जहां 24 घंटे के अंदर प्रदेश में रह रहे शत-प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर कर दिया गया है। वहीं, अंतिम बचे एक पाकिस्तानी नागरिक को बुधवार को वापस भेज दिया जाएगा। पुलिस विभाग और खुफिया एजेंसी द्वारा लगातार उस पर नजर रखी जा रही है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए कई अहम निर्णय लिया। इस दौरान केंद्र सरकार ने देश के सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी करते हुए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेजने के निर्देश दिये।

इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। सीएम योगी ने बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि प्रदेश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल प्रदेश से बाहर करने के साथ उन्हें उनके देश रवाना किया जाए।

इसके साथ ही सीएम ने निर्देश दिए थे कि पाकिस्तानी नागरिक वापस अपने देश ही जाएं इसके लिए उनके साथ पुलिस दल को भेजा जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह अपने वतन लौट गये हैं। सीएम योगी के निर्देश के बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों को अलर्ट करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

75 जिलों में चलाया गया अभियान

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश के 75 जिलों में पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ताबड़तोड़ उन्हें वापस भेजने की व्यवस्था की गयी।

डीजीपी ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश में रह रहे शत प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश में भेज दिया गया है।

उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी नागरिकों के वतन वापसी को पुख्ता करने के लिए विभिन्न जिलों से पाकिस्तानी नागरिकों के साथ स्थानीय पुलिस दल को भेजा गया। डीजीपी ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में केवल एक पाकिस्तानी नागरिक रह रहा है, जिसे 30 अप्रैल को पाक भेज दिया जाएगा।

पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने वाला देश का पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश

सीएम योगी के सख्त निर्देश और सीधी मॉनिटरिंग से उत्तर प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जहां पर पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए उन्हें उनके देश भेज दिया गया है। वह अपने देश ही जाएं, इसके लिए पुलिस दल को भेजा गया।

खंड-खंड बंटेगा पाकिस्तान, आतंकी को मिलेगा जवाब : दिनेश शर्मा

कानपुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार आतंकवादियों से निपटना जानती है। उन्होंने जाजमऊ गंगा पुल पर स्वागत के बाद यह बयान दिया। शर्मा ने पहलगाम हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिवार से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की।

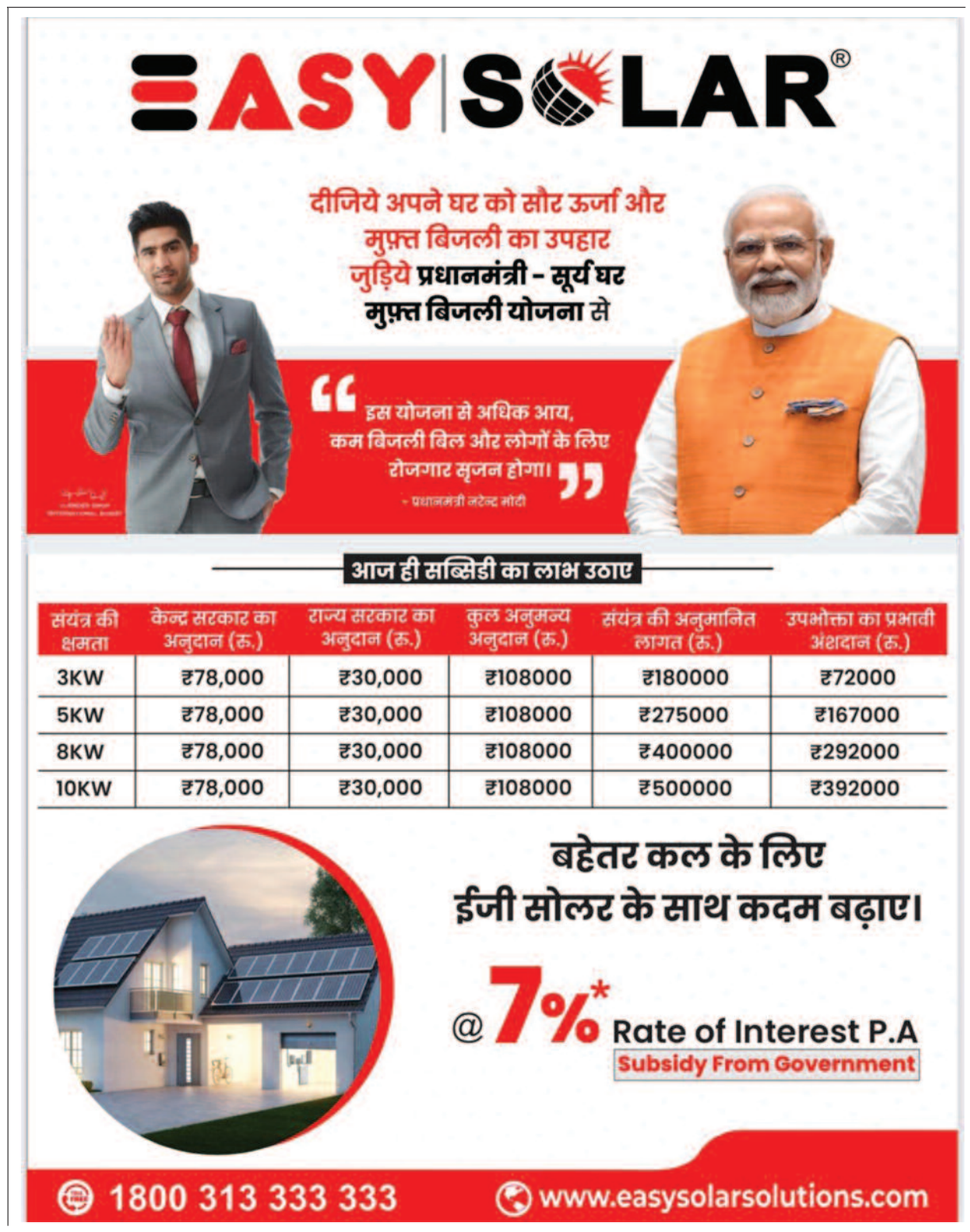

एनआईए ने पहलगाम आतंकी हमले की जांच शुरू की

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम आतंकवादी हमले का मामला औपचारिक रूप से अपने हाथ में ले लिया है और टीम घटनास्थल पर साक्ष्य एकत्र कर जांच में जुट गई है। इस हमले में पिछले मंगलवार को 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्दयतापूर्वक गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। एनआईए के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि बुधवार से आतंकी हमले वाली जगह पर डेरा डाले हुए एनआईए की टीमों ने सबूतों की तलाश तेज कर दी है। आतंकवाद विरोधी एजेंसी के एक पुलिस महानिरीक्षक, एक पुलिस उपमहानिरीक्षक और एक पुलिस अधीक्षक की देखरेख में टीमें उन चश्मदीदों से पूछताछ कर रही हैं, जिन्होंने शांतिपूर्ण और सुरम्य बैसरन घाटी में अपनी आंखों के सामने भयानक हमले को घटते देखा था। कश्मीर में हुए सबसे भयानक आतंकी हमलों में से एक को अंजाम देने वाले घटनाक्रम को एक साथ जोड़ने के लिए चश्मदीदों से बारीकी से पूछताछ की जा रही है।

एनआईए की टीमें आतंकवादियों की कार्यप्रणाली के सुराग के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं की बारीकी से जांच कर रही हैं। फॉरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की मदद से टीमें पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं, ताकि आतंकी साजिश का पदार्फाश करने के लिए सबूत जुटाए जा सकें, जिसके कारण देश को झकझोर देने वाले इस भयानक हमले को अंजाम दिया गया।

आम जनता को मिलेगा प्राधिकरण संबंधी समस्याओं का समाधान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) आम जनता की सुविधा के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा है। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निदेर्शानुसार अब जीडीए के पीआरओ कार्यालय में विशेष पहल काउंटर स्थापित किया जा रहा है। यह काउंटर नागरिकों को पब्लिक एक्सेस फॉर हाउसिंग एंड प्रापर्टी एलाटमेंट लागिंन (पहल) पोर्टल से जुड़ी सेवाओं का सरल और त्वरित लाभ देने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है। इस पहल से जनता का जीडीए कार्यालय के अनावश्यक चक्कर खत्म करके जीडीए से जुड़ी सभी समस्याओं का एक विंडो पर सभी समाधान और डिजिटल सेवा का सहज अनुभव मिलेगा।

पहल पोर्टल पूरी तरह से लॉन्च के लिए तैयार है। मंगलवार को इसका प्रजेंटेशन उपाध्यक्ष अतुल वत्स के समक्ष प्रस्तुत किया गया, और बुधवार को कौशांबी में क्रेडिाई गाज़ियाबाद के कार्यक्रम में इसका विस्तृत परिचय कराया गया। अब आगामी बोर्ड बैठक मे इसका प्रस्ताव माननीय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

जनता को मिलेंगी ये मुख्य सुविधाएं

प्रॉपर्टी की जानकारी ऑनलाइनः हर संपत्ति को एक यूनिक आईडी दी जाएगी। आवंटी अपनी प्रॉपर्टी से संबंधित सभी जानकारियाँ पोर्टल पर लॉगिन करके देख सकेगा। एनओसी के लिए डिजिटल आवेदनः सम्पत्ति की पूरी राशि जमा करने के बाद एनओसी के लिए अब कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। आवंटी पोर्टल के माध्यम से डिजिटल हस्ताक्षरित एनओसी प्राप्त कर सकेगा। किस्तों का ऑटोमैटिक रीशेड्यूलिंगः निर्धारित किस्तों से अधिक भुगतान करने पर शेष किस्तें स्वतः आरबीआई दिशा-निदेर्शों के अनुसार रीशेड्यूल हो जाएंगी।

नागरिकों को मिलेगी भरोसे मंद सेवाएंः अतुल वत्स

उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कहा कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण तकनीक के माध्यम से नागरिकों को सुगम, पारदर्शी और भरोसेमंद सेवाएं प्रदान करने के लिए नई योजनाएं बना रहा है। पहल पोर्टल और पीआरओ कार्यालय में बनने वाला पहल काउंटर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो जनता के अनुभव को पूरी तरह से बदल देगा।

पहल काउंटर से मिलेगी अतिरिक्त सहायता

जिन नागरिकों को पोर्टल के उपयोग में तकनीकी या अन्य किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होगी, वे सीधे जीडीए पीआरओ कार्यालय में स्थापित पहल काउंटर पर संपर्क कर सकेंगे। यहाँ प्रशिक्षित स्टाफ त्वरित समाधान प्रदान करेगा।

अब चलेगा सिस्टम, नहीं चलेगी लापरवाही: जे. रविन्द्र गौड़

पुलिस आयुक्त के औचक निरीक्षण में मिली खामियों पर दिए सख्त निर्देश, जनकेंद्रित पुलिसिंग पर जोर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने और पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए पुलिस आयुक्त जे. रविन्द्र गौड़ ने अचानक रात ट्रांस हिंडन क्षेत्र के अंतर्गत स्थित साहिबाबाद थाने का औचक दौरा किया। यह निरीक्षण न केवल प्रशासनिक तत्परता का प्रतीक रहा, बल्कि आम जनता की शिकायतों और अपेक्षाओं के प्रति पुलिस विभाग की जवाबदेही को भी रेखांकित करता है। पुलिस आयुक्त के इस अचानक निरीक्षण ने थाने की कार्यशैली, आंतरिक व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं की वास्तविक स्थिति को सामने रखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय, महिला सहायता केंद्र, सीसीटीएनएस कक्ष, मालखाना, अभिलेखों की स्थिति, निगरानी प्रणाली और आधारभूत सुविधाओं की बारीकी से जांच की। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने जो कुछ देखा, उसके आधार पर उन्होंने जनता के हितों को सर्वोपरि मानते हुए थाना प्रभारी और स्टाफ को आवश्यक

दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि नागरिकों के साथ व्यवहार में मृदुता और संवेदनशीलता झलके।

आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक सुना जाए और उनकी समस्याओं का समाधान त्वरित गति से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिसिंग अब केवल कानून का पालन करवाने तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि नागरिकों के विश्वास की आधारशिला पर ही एक सशक्त और सशक्तिकरणयुक्त समाज का निर्माण संभव है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई की स्थिति को भी बेहद गंभीरता से लिया और निर्देश दिया कि थाना परिसर और बैरिक की स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि थाने में काम कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों के बैठने और कार्य करने की स्थिति आरामदायक होनी चाहिए, जिससे उनका कार्य प्रदर्शन बेहतर हो सके। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी निगरानी कैमरे पूरी तरह क्रियाशील हों और उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाए ताकि किसी भी घटना की जांच में आसानी हो। इसके साथ ही पेयजल और विद्युत व्यवस्था की भी समीक्षा की गई और उसे दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया कि मालखाना, डाक कक्ष और अपराध नियंत्रण कक्ष में दस्तावेजों और सबूतों का रखरखाव बेहद व्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से होना चाहिए, ताकि न्याय प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। उन्होंने सीसीटीएनएस प्रणाली के अद्यतन होने पर विशेष ध्यान देने को कहा और संबंधित रिकार्ड को समय-समय पर अपडेट करने का निर्देश दिया। पुलिस आयुक्त का यह निरीक्षण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक सशक्त संदेश था कि पुलिस को अब केवल वर्दी नहीं, संवेदनशीलता और सेवा का प्रतीक बनना होगा। जे. रविन्द्र गौड़ का यह दौरा न केवल साहिबाबाद थाना, बल्कि सम्पूर्ण गाजियाबाद पुलिस के लिए एक चेतावनी भी है और एक दिशा-सूचक भी कि अब प्रशासनिक सुस्ती और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे, जिससे पुलिस तंत्र चुस्त, जवाबदेह और नागरिकों के भरोसे पर खरा उतरने वाला बन सके।

पुलिस आयुक्त जे. रविन्द्र गौड़ ने निर्देश देते हुए कहा कि थाना केवल अपराध नियंत्रण का केंद्र नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक होना चाहिए। हर आने वाले व्यक्ति के साथ संवेदनशील और मृदुल व्यवहार किया जाए। शिकायतकर्ताओं की बात ध्यान से सुनी जाए और उस पर बिना देरी के निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। थाना परिसर की स्वच्छता, अधिकारीगण के लिए बैठने की व्यवस्था, प्रतीक्षा कक्ष, पेयजल, बिजली, और निगरानी प्रणाली की कार्यशीलता जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं बेहतर हों, यह सुनिश्चित करना अब प्राथमिकता है। हर रिकार्ड अद्यतन हो, अपराध से जुड़े दस्तावेजों का रखरखाव सुव्यवस्थित हो और सीसीटीएनएस प्रणाली सक्रिय रूप से काम करे, यह सुनिश्चित करना जरूरी है। जनता के विश्वास को हासिल करना है तो पुलिस को सेवा, सजगता और संवेदनशीलता के साथ काम करना होगा। जनकेंद्रित पुलिसिंग अब सिर्फ नारा नहीं, बल्कि हमारी कार्यशैली की नींव होगी।

जिलाधिकारी ने की जनसुनवाई, शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण होगा समाधान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा ने जनसुनवाई की। जिलाधिकारी महोदय ने जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों को पढ़ते हुए प्रार्थियों से उक्त प्रकरण के बारे में मौखिक भी अवगत हुए। उन्होने प्रार्थियों को आवश्वस्त किया कि समयान्तराल में गुणवत्तापूर्ण शिकायतों का निस्तारण कराया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय

द्वारा कुछ मामलों का सम्बंधित से वार्ता कर मौके पर ही पूर्ण गुणवत्ता से निस्तारित करा दिया गया। शेष शिकायतों को सम्बंधित अधिकारी को निराकरण हेतु भेजते हुए, शिकायतों का पूर्ण गुणवत्ता एवं समयान्तराल में निस्तारण के लिए निर्देशित किया। जन सुनवाई के दौरान पुलिस विभाग, जीडीए, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, बैंक, पेंशन, घरेलू झगड़ें से सम्बंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि शिकायत के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण होने के पश्चात शिकायतकर्ताओं से फीडबैक लेना सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान एडीएम एफ/आर श्री सौरभ भट्ट भी उपस्थिति रहे।

सीडीओ अभिनव गोपल की उपस्थिति में 10 शिशुओं को मिले नए परिवार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। एक नई उम्मीद और मुस्कान के साथ गाजियाबाद में एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां 10 बच्चों को उनके नए परिवार मिले। महिला कल्याण विभाग द्वारा पंजीकृत एवं शैक्षिक संगठन भारतपुरिया शिक्षा समिति घरौंदा विशेषज्ञ दान तक ग्रहण एजेंसी के तत्वावधान में इस भव्य दत्तक ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल उपस्थित रहे और उन्होंने इस भावुक पल को अपने करकमलों से और भी खास बना दिया। संचालक ओंकार ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित कारा पोर्टल के माध्यम से 10 बच्चों, जिनमें 5 बालक और 5 बालिकाएँ शामिल हैं, को गोद देने की प्रक्रिया पूरी की गई।

यह एक ऐतिहासिक अवसर रहा, जहां संस्था में आवासित बच्चे विभिन्न राज्यों और जिलों के परिवारों के साथ अपने नए जीवन की ओर बढ़े। इन बच्चों में से 2 गाजियाबाद, 3 लखनऊ, और शेष 1-1 नोएडा, इटावा, कटक, कोहलपुर तथा बंगलौर के परिवारों के साथ गए। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अभिनव गोपाल ने दत्तक माता-पिताओं से संवाद करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ बच्चों के जीवन में नहीं, बल्कि उन परिवारों के जीवन में भी एक नई रोशनी लेकर आया है, जो संतान सुख की प्रतीक्षा कर रहे थे। आज का यह दिन उन सभी के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत है, जहां बच्चे और परिवार एक नई उम्मीद और खुशी के साथ एक-दूसरे के जीवन का हिस्सा बन रहे हैं।

यह देखना बेहद हर्ष का विषय है कि सामूहिक प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहा है और बच्चे सुरक्षित और प्रेमपूर्ण परिवार पा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि ये बच्चे अपने नए परिवार में प्रेम और देखभाल के साथ अपना उज्जवल भविष्य बनाएंगे। कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत भव्य और भावनात्मक वातावरण में किया गया। दत्तक अभिभावकों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और फूल-मालाओं से उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर पूरे माहौल में खुशी, उम्मीद और नई शुरूआत की भावना स्पष्ट रूप से झलक रही थी। हर गोद लेने वाले अभिभावक के चेहरे पर सच्चे आनंद और अपने जीवन में नए अध्याय के आरंभ की चमक दिखाई दे रही थी। कार्यक्रम में संरक्षण अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई गाजियाबाद के प्रतिनिधि, भारतपुरिया शिक्षा समिति के प्रबंधक ओंकार, संस्था प्रभारी कनिका गौतम, अन्य संस्था स्टाफ और सम्मानित अतिथि उपस्थित रहे।

हिंडन नदी की स्वच्छता और सुंदरता को बेहतर बनाने के लिए हुआ मंचन

नगरायुक्त ने नगर निगम, जल निगम एवं सिंचाई विभाग अधिकारियों संग की बैठक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में हिंडन नदी की स्वच्छता और सुंदरता को बेहतर बनाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम, जल निगम तथा सिंचाई विभाग अधिकारियों से अहम बैठक हुई। बैठक में गाजियाबाद की पेयजल व्यवस्था को भविष्य में भी सुगम और सरल बनाने की योजनाओं को लेकर मंथन हुआ।

बैठक में गाजियाबाद नगर निगम अधिकारियों के साथ-साथ जल निगम के मुख्य अभियंता आर. के. पंकज, सिंचाई विभाग से अधिशासी अभियंता राजकुमार, एन.पी. सिंह सहायक अभियंता, शिव कुमार अवर अभियंता जल निगम उपस्थित रहे। नगर आयुक्त द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों को एक सप्ताह में हिंडन नदी में निस्तारित हो रहे नालों को रोके जाने के संबंध में कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए गये। नगर आयुक्त द्वारा गाजियाबाद की

■ भविष्य में पेयजल व्यवस्था बनी रहे सुगम और सरल, अधिकारी तैयार करें प्लान- नगर आयुक्त

पेयजल व्यवस्था को भविष्य के लिए सुगम और सरल बनाने पर भी मंथन किया गया। नगर आयुक्त द्वारा जल निगम, सिंचाई विभाग तथा नगर निगम के जलकल विभाग अधिकारियों से सुझाव मांगे गए साथ ही आने वाले समय में गाजियाबाद के संपूर्ण क्षेत्र को गंगाजल आपूर्ति करने हेतु भी चर्चा हुई। जिसमें नगर आयुक्त द्वारा मुख्य अभियंता जल निगम को कार्य योजना बनाने के लिए कहा गया। जल प्रदूषण की रोकथाम के लिए किये जा रहे है कार्यों को भी रफ्तार देने के निर्देश टीम को दिए गए।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा शहर हित में बनाई जा रही योजना के क्रम में अधिकारियों द्वारा निरंतर कार्य को रफ्तार देने के लिए कार्यवाही चल रही है।

इसके क्रम में हिंडन नदी स्वच्छता को और अधिक बेहतर करने तथा सुंदरता को बढ़ाने के लिए एक सप्ताह में जल निगम सिंचाई विभाग तथा जलकल विभाग को कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। हिंडन नदी के आसपास के क्षेत्र का सर्वे भी कराया जाएगा हिंडन नदी में गिरने वाले 7 नालों पर पूर्ण रूप से रोक लगाने के लिए योजना बनाई जा रही है। जिससे नदी की स्वच्छता बरकरार रहेगी सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग दिया जाएगा।

हिंडन नदी के आसपास सौंदर्यकरण भी बढ़ाया जाएगा कार्य योजना बनाई जा रही है। जल संरक्षण पर भी शहर वासियों को जागरुक करते हुए भूमिगत जल में वृद्धि करने के लिए कार्य योजना बनाने के लिए टीम को कहा गया है। आने वाले समय में गाजियाबाद को गंगाजल आपूर्ति की जाए योजना बनाई जा रही है। बैठक में गाजियाबाद नगर निगम से अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, सहायक अभियंता जल आश कुमार व अन्य उपस्थित रहे।

एडीएम सिटी की अध्यक्षता में नॉर्को आर्डिनेशन मैकेनिज्म की बैठक आयोजित

युवा पीढ़ी को नशा मुक्त बनाना हो एकमात्र लक्ष्यः गम्भीर सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जनपद में मादक पदार्थों (नारकोटिक्स) की बिक्री व तस्करी के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशन पर एडीएम सिटी गम्भीर सिंह की अध्यक्षता में नॉर्को आर्डिनेशन मैकेनिज्म (एनओसीएआरडी) की महत्वपूर्ण बैठक आहूत हुई। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी नगर ने कहा कि जनपद में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, खरीद-फरोख्त और ड्रग ट्रैफिकिंग के विरुद्ध अभियान को और तेज करने की आवश्यकता है। इस दृष्टि से जनपद में सतर्कता और इंटेलिजेंस को बेहतर करना होगा एवं जनपद की अन्तर्राज्यीय सीमा पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जनपद के विकास और सुरक्षा की दृष्टि से सीमा प्रबन्धन अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय है। हमें इसे एक मुहिम का रूप देना होगा। उन्होने

निर्देशित किया कि बेहतर समन्वय के साथ ड्रग माफियाओं के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान नशा मुक्ति केन्द्रों एवं केन्द्रों में भर्ती नशा की चेपट में आए मरीजों के बारे में विस्तार से विचार किया गया कि नशा मुक्ति केन्द्र में मरीजों की देख-रेख किस प्रकार से हो रही है और नशा छुडाने के लिए क्या-क्या कार्य किये जा रहे हैं, उसकी भी जानकारी होनी चाहिए।

इसके साथ-साथ पीड़ित एवं उन्हें भर्ती कराने वाले का पूर्ण विवरण नशा मुक्ति केन्द्र वालों के पास होना चाहिए। बैठक के दौरान उच्च शिक्षा विभाग एवं नशा मुक्ति से सम्बंधित संस्थाओं को भी नॉर्को आर्डिनेशन मैकेनिज्म (एनओसीएआरडी) की बैठक में आमंत्रित करने हेतु विचार किया गया। जिससे कि युवाओं को नशे से बचाया जा सका।

अपर जिलाधिकारी नगर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि युवा पीढ़ी को नशा मुक्त बनाना एकमात्र लक्ष्य हो। बैठक में पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, आबकारी विभाग, सूचना विभाग, वन विभाग, जिला कृषि विभाग, आरटीओ सहित अन्य सम्बंधित विभाग के अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निर्वाचन के विभिन्न पहुलओं पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी रणविजय सिंह से की चर्चा

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी / जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशन पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह की अध्यक्षता में निर्वाचन के विभिन्न पहुलओं पर राष्ट्रीय एवं राज्जीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि जनपद की सभी विधानसभाओं में कुल 3224 में मतदेय स्थल हैं, जिन पर राजनैतिक दलों द्वारा बीएलए नियुक्त किये जाने हैं, अतः सभी बीएलए की सूची जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करायें। उन्होने निर्वाचन नामावली की तैयारी के सम्बंध में अवगत कराया कि

■ युवाओं को मतदाता पहचान पत्र बनाने एवं सभी मतदाताओं को मतदान करने हेतु करें जागरूक व प्रेरित-रणविजय सिंह

प्रविष्टियों में विद्यमान त्रुटियों को शुद्ध करने हेतु 04 अर्हता तिथियों 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई व 01 अक्टूबर निर्धारित की गई हैं। साथ ही निर्वाचन नामावली में नाम पंजीकृत के लिए वेब पोर्टलके माध्यम से ऑनलाईन व बीएलओ से फार्म प्राप्त कर ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। बैठक में इसके साथ ही मतदाता सूची का शुद्धिकरण, निर्वाचन नामावली का प्रकाशन, आपत्तियों की सूची आदि की जानकारी सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान सभी ईआरओ'एस, मतदान केन्द्र 853, मतदेय स्थल 3224, बहुमंजिली भवनों/ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी (36) में बने 52 मतदेय स्थलों के बारे में बताया गया। साथ ही अवगत कराया कि निर्वाचन सम्बंधित कार्य हेतु 3224 बीएलओ, 278 सुपरवाइजर व 26 सहा0नि0रजि0 अधिकारी नियुक्त हैं।

बैठक के दौरान राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों ने निर्वाचन के दौरान एप और बहुमंजिली भवन/ग्रुप हाउसिंग सोसाईटी में आने वाली समस्याओं से अवगत कराया। उप निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि समस्याओं के समाधान हेतु हर सम्भव प्रयास किया जायेगा। इसी के साथ उप निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों से अनुरोध कि युवाओं को मतदाता पहचान पत्र बनाने एवं सभी मतदाताओं को निर्वाचन के दौरान मतदान करने हेतु जागरूक एवं प्रेरित करने में अहम भूमिका निभायें, जिससे जनपद का मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो सके। बैठक में ताहिर हुसैन समाजवादी पार्टी, मनोज कुमार बीएसपी, सुभाष चन्द्र शर्मा भाजपा, एडवोकेट संजय बीएसपी, राजेन्द्र शर्मा कांग्रेस, आशुतोष गुप्ता कांग्रेस, आनन्द सिंह चन्द्रेश बसपा, ओंकार सिंह बसपा, प्रदीप जाटव बसपा, सचिन सिद्धार्थ समाजवादी पार्टी, ब्रहमदत्त दुबे सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने वसुंधरा में सुनी मन की बात

य.पी. ऑब्ज़र्वर

- 121 वां संस्करण पर कार्यकताओं के बीच रहे प्रदेशाध्यक्ष
- पहलगाम की घटना पर दुख, देश के दुश्मनों को माटी में मिलाने का मोदी सरकार का संकल्प दोहराया

गाजियाबाद। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी(क्षेत्रीय मन की बात प्रमुख) एवं महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल संग आज गाजियाबाद महानगर के वैशाली क्षेत्र के अंतर्गत बूथ संख्या 699 पर बूथ अध्यक्ष शिवानी सोलंकी, बूथ पन्ना प्रमुखों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 121वें संस्करण को सुना और उसका व्यापक विश्लेषण किया।

प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन का स्वागत करते हुए कहा कि 'मन की बात' न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि यह देशवासियों के जज्बे, उनके विचारों और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब भी है। प्रधानमंत्री का संबोधन जन-जन को प्रेरित करने वाला है और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन चुका है। पहलगाम में हुई कायराना आतंकी घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि देश विरोधी ताकतों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'प्रधानमंत्री मोदी ने देश के दुश्मनों को माटी में मिलाने की जो हुंकार भरी है, वह केवल शब्द नहीं, बल्कि मजबूत इच्छाशक्ति का प्रतीक है। भारत आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है और इसका परिणाम देशवासियों को शीघ्र ही देखने को मिलेगा। श्री चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर दृढ़ता से काम कर रही है और हर हमले का करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुँचाएं और देशहित में हर प्रयास को और अधिक गति दें। कार्यक्रम के दौरान मंडल के कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सबने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' को गहनता से सुना और उनके संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

औरैया कलेक्ट्रेट में हुई विद्युत व्यवस्था संबंधी जॉच समिति की बैठक

जनता से मधुर व्यवहार कर समस्या निपटाएं विद्युत अधिकारी: दिनेश गोयल

य.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। दिनेश कुमार गोयल, सभापति प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था संबंधी जॉच समिति की अध्यक्षता में औरैया कलेक्ट्रेट में गार्ड ऑफ ऑनर के पश्चात समिति के सदस्यों के साथ व विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ मिलकर जनपद औरैया, कन्नौज व इटावा के विद्युत विभाग से सम्बन्धित कार्यो की समीक्षा बैठक की। साथ ही विद्युत विभाग से सम्बन्धित बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारियों को जनता से सम्बन्धित शिकायतो का निस्तारण शीघ्र किए जाने के लिए निर्देशित किया गया।

उन्होंने कहा कि क्या मीटर रीडरों को दिए गए एरिया को समय-समय पर बदला जाता है क्या विभागीय भ्रष्टाचार तथा अन्य प्रकरणों में चेक किए जाने वाले एरिया को वहां के अधिकारियों के अलावा सत्यता की जांच हेतु अन्य एरिया के अधिकारी द्वारा क्रॉस चेक किया जाता है ऐसे विभिन्न बिन्दुओं पर समीक्षा की। सभापति दिनेश कुमार गोयल ने कहा कि विद्युत उपभोक्ता हमारा भगवान है इसलिए हमें उनकी हर समस्याओ को ध्यान रखना होगा उसकों किसी भी रूप में परेशान न किया जाए।

डॉ. सौरभ मालवीय की किताब का लोकार्पण

पुस्तकें हमारे चित्त को तृप्त करती है – प्रो.कीर्ति पाण्डेय

य.पी. ऑब्ज़र्वर

अमेठी। भागदौड़ के समय में संतों के विषय में पढ़कर मन को शांति प्राप्त होती है। हमारे पास संतों की शिक्षाओं एवं उनके उपदेशों के रूप में ज्ञान का अपार भंडार है। भारतीय ज्ञान परम्परा भारत का जीवन दर्शन है। हमारे संत हमारे पथप्रदर्शक है।

भारत में अनेक संत हुए हैं, जिन्होंने विश्व को मानवता का संदेश दिया। संतों की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी उस समय थीं जब उन्होंने उपदेश दिए थे। आज जब लोग पश्चिमी सभ्यता के पीछे भाग रहे हैं तथा जीवन मूल्यों को भूल रहे हैं, ऐसी परिस्थिति में संतों की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार अत्यंत आवश्यक हो जाता है। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय साधारण सभा की धम्मोर बैठक में उक्त बातें उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष प्रो.कीर्ति पाण्डेय ने डॉ.सौरभ मालवीय द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय संत परम्परा : धर्मदीप से राष्ट्रदीप के लोकार्पण के अवसर पर कही।

इस पुस्तक में 16 संतों के जीवन एवं उनके उपदेशों को प्रस्तुत किया गया है, जिनमें रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास, महान कृष्ण भक्त सूरदास, महान भक्त कवि रसखान, कबीर, रैदास, मीराबाई, नामदेव, गोरखनाथ, तुकाराम, मलूकदास, धनी धरमदास, धरनीदास, दूलनदास, भीखा साहब एवं चरणदास सम्मिलित हैं। इन सभी संतों ने देश में भक्ति की गंगा प्रवाहित की। इनकी रचनाओं ने लोगों में भक्ति का संचार किया। इसमें ऐसे भी संत हैं, जिन्होंने गृहस्थ जीवन में रहकर ईश्वर की भक्ति की। उन्होंने अपने परिवार एवं परिवारजनों के प्रति अपने सभी दायित्वों का निर्वाह किया। इनमें ऐसे भी संत हैं, जिन्होंने सांसारिक संबंधों से नाता तोड़कर अपना संपूर्ण जीवन प्रभु की भक्ति में व्यतीत कर दिया। ऐसे संतों ने कभी किसी को अपने पारिवारिक कर्तव्यों से विमुख होने के लिए नहीं कहा, अपितु अपने संपूर्ण कर्तव्यों का पालन करते हुए ईश्वर की साधना करने का संदेश दिया। डॉक्टर मालवीय की यह पुस्तक उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचंद्र जी , डॉ. राममनोहर जी, डॉ.जय प्रताप सिंह , राजबहादुर दीक्षित समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

यूथ फॉर वन नेशन वन इलेक्शन-युवा सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

य.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। 'यूथ फॉर वन नेशन वन इलेक्शन' के तहत एक राष्ट्र, एक चुनाव के समर्थन में भव्य युवा सम्मेलन का आयोजन मॉडर्न कॉलेज, निकट आईटीएस कॉलेज, अर्थला मोहन नगर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सुरेश खन्ना ने अपने संबोधन से पहले सभी से निवेदन करते हुए कहा कि हम सबसे पहले पहलगाम में हुई कायराना आतंकी घटना में शहीद हुए वीरों और निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखें... मौन के उपरांत उन्होंने कहा यह घटना हमें एक बार फिर यह याद दिलाती है कि हमारा राष्ट्र अभी भी आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है। लेकिन आज का कश्मीर बदल रहा है, विकास के रास्ते पर लौटता कश्मीर, आतंक के साए से बाहर आता कश्मीर। यह वो कश्मीर है जहाँ आज युवाओं के हाथों में पत्थर नहीं, लैपटॉप हैं, जहाँ स्कूलों और पर्यटकों की चहल-पहल है, और जहाँ अब राष्ट्र की मुख्यधारा में लौटने की ललक है। और इसी भावना के साथ हम आज 'वन नेशन, वन इलेक्शन' यानी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर विचार करने एकत्र हुए हैं। जिस प्रकार कश्मीर में एकजुटता और स्थिरता हमारे उद्देश्य हैं, वैसे ही यह चुनावी सुधार भी राष्ट्र में एकता, सुशासन और स्थायित्व लाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। बार-बार चुनावों से देश की आर्थिक, प्रशासनिक और विकासात्मक गति बाधित होती है। यदि पूरे देश में एक साथ चुनाव हों, तो न केवल संसाधनों की बचत होगी, बल्कि नीति निर्माण में स्थिरता आएगी और राष्ट्र की एकता को मजबूती मिलेगी। आज का युवा जागरूक है, विचारशील है और परिवर्तन का वाहक है। मैं आप सबसे आग्रह करता हूँ कि आप इस विषय पर गहन मंथन करें, सुझाव दें, और एक नए भारत के निर्माण में भागीदार बनें। एक ऐसा भारत, जहाँ न आतंक की छाया हो, न चुनावी अस्थिरता-बल्कि हो केवल विकास, सुरक्षा और समरसता। विशिष्ट अतिथि मयंक गोयल (महानगर अध्यक्ष) ने कहा कि युवाओं की भूमिका केवल मतदान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें नीतियों को समझकर देशहित में जागरूकता फैलानी चाहिए। एक साथ चुनाव लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। बतौर अतिथि समन्वयक सरदार एसपी सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से युवाओं को नीति निर्माण की प्रक्रिया को समझने का मौका मिलता है। 'वन नेशन वन इलेक्शन' लोकतांत्रिक सुधार की दिशा में एक सार्थक कदम है। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से महानगर समन्वयक सरदार एसपी सिंह, सह समन्वयक अभिनव जैन, कार्यक्रम संयोजक सचिन डेढ़ा, क्षेत्र के महामंत्री युवा मोर्चा अनुज कश्यप, एमपी सिंह, मॉडर्न कॉलेज डायरेक्टर विनीत गोयल, मीडिया समन्वयक प्रदीप चौधरी सहित बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल बनाया और यह साबित किया कि युवा पीढ़ी देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने को तत्पर है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एमपी सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम का संचालन नितिन शर्मा ने किया।

गाजियाबाद महानगर के 2145 बूथों पर सुनी गई मन की बात कार्यक्रम

य.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शीर्ष भाजपा नेतृत्व के आ'ान पर एवं गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के कुशल निर्देशन में गाजियाबाद महानगर के सभी 2145 बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 121वें एपिसोड का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी मंडलों में मंडल अध्यक्षों एवं 'मन की बात' संयोजकों के नेतृत्व में पदाधिकारी, पार्षदगण, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सरल ऐप के माध्यम से कार्यक्रम की रिपोर्टिंग की।

कवि नगर मंडल , गोविंदपुरम मंडल, राजनगर मंडल सहित सभी मंडल के भिन्न भिन्न बूथ पर पार्टी द्वारा भेजे गए वरिष्ठ नेताओं की तर्ज पर सांसद अतुल गर्ग, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सरदार एस.पी. सिंह, महापौर सुनीता दयाल, पूर्व महापौर आशु वर्मा, विधायक अजीत पाल त्यागी, विधायक संजीव शर्मा , बालेश्वर त्यागी, अशोक मोंगा, विजय मोहन,आदि वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ बैठकर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर भाजपा के सरदार एसपी सिंह, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, बूथ अध्यक्ष केके शुक्ला, मंडल अध्यक्ष राहुल तोमर, सरदार परमजीत सिंह पम्मी, पूर्व पार्षद हिमांशु मित्तल, पार्षद राजकुमार नागर, सुनील खोखर, सोनू भाटी, बालकिशन गुप्ता, अशोक भारतीय सहित अनेक कार्यकर्ता और सम्मानित नागरिक भी बूथ 415 पर उपस्थित रहे। मन की बात के उपरांत कार्यकताओं से संवाद के दौरान महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' कार्यक्रम आज जन-जन से सीधे संवाद का सशक्त माध्यम बन चुका है। गाजियाबाद महानगर के कार्यकताओं ने 100% बूथों पर कार्यक्रम का सफल संचालन कर यह सिद्ध कर दिया है कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के संकल्प में पूरी निष्ठा से समर्पित है। यह कार्यक्रम कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार करता है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सकारात्मक संदेश पहुँचाता है।

डॉ अनिल अग्रवाल ने केंद्रीय राज्य मंत्री को छात्रावास शुरूकरने की दी बधाई

गाजियाबाद। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा द्वारा अपने गृह जनपद बदायूं में सर्व समाज को समर्पित (निशुल्क) लोधी छात्रावास का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा सुनील बंसल द्वारा किया गया। इस अवसर पर सांसद डॉक्टर स्वामी साक्षी जी महाराज, प्रदेश सरकार में मंत्री गुलाबी देवी, क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा दुर्विजय शाक्य आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर अतिथि के रूप में उपस्थित गाजियाबाद से पूर्व राज्य सभा सांसद डॉ अनिल अग्रवाल ने भी बदायूं पहुंचकर केंद्रीय राज्य मंत्री को बधाई दी और कहा कि यह छात्रावास निश्चित ही आने वाले समय में बदायूं के छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य में महत्वपूर्ण योगदान रखेगा।

शुकदेव जी ज्ञान, वैराग्य और करुणा के अवतार हैं: स्वामी ओमानंद

य.पी. ऑब्ज़र्वर

- भागवत पीठ में श्री शुकदेवजी का मंत्रोच्चार से अनुष्ठान
- तीर्थ नगरी में निकली शोभायात्रा में कई राज्यों से आये हजारों श्रद्धालु

शुकतीर्थ/मोरना:- पौराणिक तीर्थनगरी में भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम, शुकतीर्थ में भागवत के आदि प्रवक्ता, व्यास नंदन,परमहंस चूड़ामणि, जीवन मुक्त श्री शुकदेव जी महाराज की जयंती परंपरागत रुप से धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। अक्षय वट की परिक्रमा के बाद मुख्य श्री शुकदेव मंदिर में भगवान श्री शुकदेव जी का अभिषेक पूजन विधि-विधान से पीठाधीश्वर स्वामी ओमानन्द जी महाराज ने किया। स्वामीजी ने श्री शुकदेव रुप द्वार पर महामुनि श्री शुकदेव जी की झांकी का पूजन कर शोभायात्रा का शुभारम्भ किया।

भागवत पीठ से भगवान

शुकदेव जी की जन्मोत्सव पर उनके बाल सुलभ स्वरुप सूर्यन और अन्य झांकियों के साथ भव्य शोभा यात्रा के शुभारम्भ पर पीठाधीश्वर स्वामी ओमानन्द महाराज ने कहा कि श्री शुकदेव जी भगवान शंकर के अवतार माने जाते है।

ज्ञान, वैराग्य, त्याग और मोक्ष के मूर्तिमान स्वरूप महामुनि शुकदेव जी भागवत के आदि प्रवक्ता हैं। उनका दिव्य ज्ञान भारत की धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है, जो सम्पूर्ण मानव जाति का पथ प्रदर्शक है। इस नश्वर जीवन से संबद्ध सत्य का विश्लेषण कर भागवत के रहस्य को समझाकर और माध्यम से मानव जाति की लोक यात्रा को मंगलमय तथा सुलभ बनाया। शुकदेव जी जन्म लेते ही वैराग्य धारण कर वन की ओर चले गए और निर्गुण समाधि में बैठ गए। बाद में भागवत के श्लोकों को सुनकर वापस अपने पिता वेदव्यास जी के पास आये और भागवत का अध्ययन किया।

कालांतर में परीक्षित राजा को माध्यम बनाकर सम्पूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए भागवत ज्ञान गंगा की धारा शुकतीर्थ में प्रवाहित की।

बैंड बाजे के संगीत और भक्ति गीतों पर शुरू हुई शोभायात्रा में रथों पर चितौड़गढ़ से प्रसिद्ध कथा व्यास संत दिग्विजय महाराज, हरिद्वार से संत हनुमान दास महाराज, नोएडा से बंशीधर और महाराष्ट्र के अकोला से चारु दास महाराज, मथुरा से कथाव्यास कांति प्रसाद आदि विराजमान रहे।

शोभायात्रा में मंगल कलश के साथ दूरस्थ राज्यों से पधारे श्रद्धालु भक्तों तथा शमहिलाओं ने श्रद्धा और भक्ति से भाग लिया।

शोभायात्रा गंगा मंदिर, दंडी आश्रम, पुलिस चौकी, स्वामी कल्याणदेव तिराहा, अंबेडकर तिराहा, श्री शुकदेव गंगा घाट, पंजाबी धर्मशाला से होते हुए भागवत पीठ पहुंची। यात्रा में शामिल हजारों भागवत भक्तों और श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से श्री शुकदेव जी का गुणगान किया।

पूजन एवं अनुष्ठान में आचार्य जीसी उप्रेती, आचार्य अरुण, कथा व्यास सुमन कृष्ण शास्त्री, आचार्य विकास, आचार्य युवराज, पुरोहित रविंद्र शर्मा ने मंत्रपाठ किया। अक्षय वट तथा शुकदेव मंदिर सहित भागवत पीठ को फूल, माला, गुब्बारों से सजाया गया। ट्रस्टी ओमदत्त देव, हरीश शर्मा, दीपक मिश्रा आदि का सहयोग रहा।

भंडारे में पधारे साधु-महात्मा

भागवत पीठ के मुख्य द्वार पर श्री शुकदेव संस्कृत विद्यालय के ब्रह्मचारियों, भक्तों ने पुष्प वर्षा की। तीर्थ जीर्णोद्धारक वीतराग स्वामी कल्याणदेव की पावन स्मृति को नमन किया गया। श्री शुकदेव अन्न क्षेत्र में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें तीर्थ के संत-महात्माओं, भागवत भक्तों, श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद, मिष्ठान, फल और दक्षिणा आदि वितरित की गई।

सम्पादकीय

एकजुट भारत ने दिया दुश्मनों को कड़ा संदेश

यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है कि जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला उठता है, तो सभी राजनीतिक दल अपने नफे–नुकसान से ऊपर उठ कर एकजुटता दिखाते और सार्थक समाधान के उपाय तलाशते हैं। पहलगाम आतंकी हमले पर राजनीतिक दलों की एकजुटता और सरकार को खुले मन से समर्थन इस अर्थ में सराहनीय है। इस मामले में सरकार ने भी लचीला रुख दिखाया और स्वीकार किया कि सुरक्षा व्यवस्था में उसकी तरफ से चूक हुई है। दरअसल, विपक्षी दल इसी मुद्दे पर लगातार सवाल पूछ रहे थे। सरकार ने उसे टालने का प्रयास नहीं किया और अपनी कमजोरी को स्वीकार किया। इससे आगे की रणनीति पर काम करने में आसानी होगी। सबसे बड़े विपक्षी दल के अध्यक्ष ने कहा कि इस मसले पर सरकार जो भी फैसला करेगी और कदम उठाएगी, उसमें उनकी पार्टी उसके साथ खड़ी रहेगी। अन्य सभी विपक्षी दलों ने भी सरकार को यही भरोसा दिलाया। निस्संदेह इससे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक सशक्त संदेश गया और इस आतंकी हमले को लेकर सियासत करने का सिलसिला भी समाप्त हो गया है। अच्छी बात है कि सरकार ने इस मसले पर देश के सभी राजनीतिक दलों को अपने साथ जोड़ लिया। हालांकि ऐसे नाजुक मामलों में सूचनाएं और संसाधन सरकार के पास ही होते हैं और आगे के कदम उसे ही उठाने होते हैं, पर वह विपक्षी दलों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। जिन मामलों में पूरे देश के प्रतिनिधित्व की जरूरत होती है, उनमें उन्हें साथ लेना ही चाहिए। यही परंपरा भी रही है। अगर ऐसा न होता, तो बेवजह सियासी रस्साकशी शुरू होती, जो कि किसी भी रूप में अच्छा नहीं कहा जा सकता। विपक्षी दलों ने अपनी लोकतांत्रिक मयार्दा निभाई है, अब सरकार पर है कि वह किस तरह उनकी भावनाओं का मान रखती है। यों, ऐसे मौकों पर सरकार के ऊपर कई अतिवादी किस्म के दबाव भी बनते हैं, जो कि बन भी रहे हैं। पर क्या देश के हित में है, उसका फैसला अंतिम रूप से सरकार को ही करना पड़ता है। विपक्षी दलों की तरफ से एक सुझाव आया कि सरकार को सीमा पार आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने की कोशिश करनी चाहिए। सभी ने पाकिस्तान पर शिकंजा कसने के लिए सरकार के फौरी फैसलों की सराहना की है। पर देश के बहुत सारे लोगों की भावना पाकिस्तान के खिलाफ सख्त और निर्णायक कदम उठाने की है। भारत के फैसलों के जवाब में पाकिस्तान ने जो कदम उठाए हैं, उससे जाहिर है कि वह रार लेना चाहता है। भारत के सामने पाकिस्तान की हैसियत बहुत मामूली है। वह इस वक्त बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। जबकि भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और दुनिया के देश इसकी तरफ सम्मान की नजर से देखते हैं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में अलग–थलग पड़ा हुआ है। वहां की हुकूमत खुद अपनी अहमियत के लिए जूझ रही है।

भारतीय मिसाइलों व रक्षा उपकरणों का बज रहा दुनिया में डंका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सर्वांगीण विकास के पथ पर बढ़ता हुआ आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। रक्षा क्षेत्र भी इस धारा से अछूता नहीं है इसमें भी अहम और व्यापक परिवर्तन दिख रहा है ।2014 के पूर्व मात्र एक दशक पूर्व तक भारत की पहचान रक्षा उपकरणों के खरीदार की हुआ करती थी। रक्षा खरीद में घोटालों के समाचार आना सामान्य बात थी फिर भी खरीदे गए हथियारों की समय पर आपूर्ति नहीं होती थी। मोदी जी के नेतृत्व में ये परिस्थितियाँ तीव्रता के साथ बदल रही हैं। अब भारत जल, थल और नभ तीनों सेनाओं के सभी अंगों को सुदृढ़ करने के लिए दिन–रात प्रयास कर रहा है जिससे रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता और बल दोनों निरंतर बढ़ रहे हैं। भारत के रक्षा वैज्ञानिक निरंतर शोध में में व्यस्त हैं। हर दिन किसी न किसी मिसाइल का सफल परीक्षण किया जा रहा है, रक्षा उपकरणों का उत्पादन बढ़ाया जा रहा है जिसके फलस्वरूप भारत की मिसाइलों व रक्षा उपकरणों का डंका विश्व बार में बजने लगा है। अब भारत रक्षा उपकरणों तथा तकनीक का क्रेता ही नहीं विक्रेता भी बन रहा है। द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के अंतर्गत होने वाले समझौतों में भारत यह बात भी शामिल करता है कि क्रय किये जा रहे हथियारों का निर्माण व सम्बंधित प्रशिक्षण भी भारत में हो। राफेल लड़ाकू विमान इसका प्रमुख उदाहरण है। आज भारतीय मिसाइलों की क्षमता से विश्व प्रभावित हो रहा है और कई देश भारतीय मिसाइलें खरीदकर उन्हें अपनी सीमाओं की सुरक्षा में लगाना चाहते हैं। वह छोटे देश तथा जिनकी सीमा चीन से लगी हुई है या फिर जिन पर विस्तारवादी चीन की गिद्ध दृष्टि लगी है, विशेष रूप से भारत की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदकर अपने यहां तैनात कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक कुशल रणनीतिकार की तरह चीन व पाकिस्तान को चारों ओर से घेरने का काम कर रहे हैं, जिसमें ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें महत्वपूर्ण हैं। ब्रह्मोस एक ऐसी उन्नत मिसाइल है जिसे न केवल दक्षिण चीन सागर के राष्ट्र अपितु बड़े मुस्लिम राष्ट्र भी खरीद रहे हैं। चीन के शत्रु फिलीपींस को भारत ने ब्रह्मोस दी है। फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्यात भारत द्वारा किसी भी देश के साथ किया गया अब तक का सबसे बड़ा रक्षा विक्रय समझौता है। भारत ने ब्रह्मोस सुपर सोनिक मिसाइल की आपूर्ति के लिए जनवरी 2022 में फिलीपींस के साथ 375 मिलियन डालर का समझौता किया था जो कि अब लागू हो चुका है। अप्रैल– 2024 फिलीपींस को ब्रह्मोस की पहली खेप मिली। इंडोनेशिया भी भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने वाला है। वियतनाम और मलेशिया जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों ने भी इस अत्याधुनिक मिसाइल को खरीदने में रुचि दिखाई है। आगामी दिनों में सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी ब्रह्मोस मिसाइल के बड़े खरीददार बन सकते हैं। श्रीलंका जैसे छोटे देश जिनकी सीमा चीन से मिलती है उन सभी देशों के साथ ब्रह्मोस को तैनात करने के लिए बातचीत चल रही है। साथ ही यह वर्ष ब्रह्मोस मिसाइल का 25वां वर्ष मनाया जा रहा है इसलिए 25 देशों के साथ ब्रह्मोस की डील को लेकर वार्ता चल रही है जिसमें कुछ देशों के साथ वार्ता अंतिम चरण में पहंच चुकी है। ब्रह्मोस की विषेषता– सबसे तेज सुपरसेनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस भूमि, वायु, जल यानि समुद्र की गहराइयों में भी पलक झपकते ही शत्रु को निशाना बना लेती है। 12 जून 2001 को मिसाइल ने अपनी पहली सफल उड़ान भरी थी।

घाटी में बहे बेगुनाह लहू से गुस्से में देश

कश्मीर घाटी में पिछले कुछ वर्षों में सिर्फ परिंदे ही नहीं चहचहा रहे थे, बल्कि देश-दुनिया से आए सैलानी भी यहां की खूबसूरती में अपना सहयोग दे रहे थे..वे भी परिंदे की तरह घाटी के कैनवस को और ज्यादा खूबसूरत बना रहे थे..यह खूबसूरती पाकिस्तान परस्त उन आतंकियों को नहीं देखी गई, जिनके लिए कश्मीर गले की नस की तरह है। अपने गले की इस नस को बचाने के लिए आतंकियों ने बाइस अप्रैल का दिन चुना, और 26 बेगुनाह लोगों का रक्त घाटी की हरियाली चादर पर बिछा दिया..ये प्राकृतिक रंग होता तो धानी कैनवस पर खूबसूरत होता..लेकिन लहू का सुर्ख रंग कभी खूबसूरती का सबब नहीं बनता..वह वीभत्सता का जरिया बनता है..जब किसी बेगुनाह का लहू जब धरती पर गिरता है तो वह क्षोभ और क्रोध का जरिया बन जाता है..बेशक यह लहू सूख जाता है, लेकिन उसकी तासीर मानवता के दिल और दिमाग में कहीं गहरे तक रच जाता है..उसे धरती पर बहाने वाले के लिए वही सैलाब बन जाता है और उस सैलाब में एक दिन उसे बहाने वाले बह जाते हैं।

पहलगाम की धरती पर गिरा खून सूख चुका है..लेकिन वह भारत की असंख्य आंखों में उतर आया है..जब खून किसी की आंखों में उतर आता है तो उसका अंजाम बहुत भयानक होता है..भयानक उसके लिए, जिसकी वजह से वह आंखों में उतर आता है...तब उन आंखों का पानी धीरे-धीरे मरने लगता है और उसकी हर सूखी बूंद से उपजा सैलाब कहर बन कर टूटता है। भारत की असंख्य आंखों की सूख रही बूंदों से वही सैलाब उमड़ने वाला है। बिहार के मधुबनी में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि घाटी में बेगुनाह खून बहाने वालों का पीछा किया जाएगा, उन्हें खोज निकाला जाएगा और दंडित किया जाएगा..दरअसल उसी सैलाब की निशानी है..

अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 का खात्मा होने के बाद घाटी धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी, कुछ पिछली सदी के नब्बे के दशक से पहले की स्थिति में आने लगी थी। घाटी में परिंदों की चहचहाहट के साथ ही सैलानियों के तराने गूंजने लगे थे। इसके साथ घाटी में खुशहाली लौट रही थी। पत्थर थामने और सेना पर उन्हें उछालने वाले हाथों में कहीं पतवार तो कहीं घोड़े की लगाम तो कहीं सैलानियों को राह दिखाने वाले जज्बात आने लगे थे। कश्मीर की कालीनों को एक बार फिर रंग मिलने लगा था, उन्हें कद्रदानों की बाढ़ आने लगी थी...कश्मीर के केसर की रंगत और सुगंध दूर तक फैलने लगी थी..घाटी के मेवे की पहुंच एक बार फिर दुनिया के बाजारों तक होने लगी थी..लेकिन कंगाली के दरवाजे पर खड़ा पाकिस्तान और उसके सैनिक आकाओं को यह खुशहाली पसंद नहीं आई। इसके बाद उन्होंने द रेसिस्टेंस फ्रंट के आतंकवादियों को आगे किया और पहलगाम में 24 भारतीय और दो विदेशी नागरिकों को मौत के घाट सुला दिया। भारतीय सेना की वर्दी में आए आतंकियों ने पुरूषों से कलमा पढ़ने को कहा। उनके धर्म पूछे और हिंदू बताते ही उनके सिरों को गोलियों से उड़ा दिया। इस कुकृत्य का शिकार बना भारतीय नौसेना का एक लेफ्टिनेंट, जिसकी महज छह दिन पहले ही शादी हुई थी...भारतीय वायुसेना का एक जांबाज, कानपुर का महज दो महीने पहले विवाहित एक जवान। एक मासूम बच्चे के सामने ही उसके पिता का खून बहा दिया गया। इस्लाम के नाम पर की गई इन हत्याओं के बाद आतंकी बोलते हुए चले गए कि मोदी को बता देना कि कश्मीर घाटी में जबरदस्ती बसाए जा रहे लोगों का यह बदला है...

महज दो महीने और छह दिनों का सुहाग अपने मासूम आंखों के सामने उजड़ना कैसे बर्दाश्त होगा, उन मासूम लड़कियों के दिलों पर क्या गुजरेगी, इसका ध्यान उन खूनी दरिंदों ने एक बार भी नहीं सोचा। इस्लाम के नाम पर इंसानियत का कत्ल करते वक्त उनके हाथ नहीं कांपे, ट्रिगर दबाने वाली उंगलियां नहीं थरथराईं..ऐसे में कैसे माने कि इस्लाम के अनुयायी ऐसे भी हो सकते हैं?

इन मासूस हत्याओं के बाद भारत में उबाल है। भारत इसका बदला चाहता है। भारत ने कुछ कदम उठाए भी हैं। 1960 से लागू सिंधु नदी जल समझौता रोक दिया गया है। अटारी सीमा को बंद कर दिया गया है, भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस लौटने को कह दिया गया है। सार्क के सदस्य देशों के लिए मिलने वाला विशेष वीजा रोक दिया गया है। पाकिस्तान के साथ कारोबार थम गया है।

पाकिस्तान की जीवन रेखा है सिंधु और उसकी सहायक नदियों से मिलने वाला पानी। इन नदियों का करीब अस्सी फीसद पानी पाकिस्तान को मिलता है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध की खेती इसी पानी के दम पर लहलहाती है। पाकिस्तान के कई शहरों की प्यास भी यही पानी बुझाता है। पहले से कंगाली झेल रहे पाकिस्तान के लिए भारत की ओर से लगे ये प्रतिबंध उसकी परेशानी ही बढ़ाएंगे। दिखावे के लिए पाकिस्तान को भी कुछ कदम उठाने ही थे। उसने भी उठाए हैं, मसलन हवाई सीमा भारतीय विमानों के लिए बंद कर देना और कारोबार रोकना। लेकिन भारत की तुलना में उसकी अर्थव्यवस्था कुछ भी नहीं है। ऐसे में उसकी माली हालत खराब होना स्वाभाविक है। आम भारतीय सिर्फ इन्हीं उपायों से ही संतुष्ट नहीं है। भारत का नागरिक इजरायल की तरह की कार्रवाई का खुलेआम समर्थन कर रहा है। अपने नागरिकों के खून का बदला खून से लेना चाहता है। पुलवामा के बाद जिस तरह भारत सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक की थी, उस तरह के हमले की उम्मीद भारतीय जनता कर रही है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके, ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 16

गतांक से आगे .....

जिज्ञासाओं का समाधान

बाल्यकाल में जब महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज के द्वारा भगवान् राम अध्ययन कर रहे थे,तो दोनों का अध्ययन,दोनों की प्रतिक्रियाएँ,दोनों का विचार-विनिमय होता रहता था।

भगवान् राम एक समय एक वेद-मन्त्र का अध्ययन कर रहे थे। भगवान राम सायक्राल में अध्ययन कर रहे थे और अध्ययन करते-करते,वह महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज के द्वार पहुँचे। वशिष्ठ मुनि महाराज से कहा कि ''यह वेद-मन्त्र क्या कहता है? मैं इस अग्नि स्वरूप वाणी को जानना चाहता हूँ।'' महर्षि वशिष्ठ मुनि बोले, ''वत्स राम! विराजो, प्रायः वैसे तो मध्यरात्रि में तुम्हारा आना अशोभनीय है,परन्तु जब तुम जिज्ञासु हो तो तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर मैं अवश्य दूंगा।'' क्योंकि महर्षि वशिष्ठ महाराज ब्रह्मवेता थे, ब्रह्मनिष्ठ थे, मृत्यु को लांघ गये थे। भगवान राम विराजमान् हो गये।

वशिष्ठ कहते हैं, ''हे राम। यह जो वाणी है, यह अग्नि है और वह कैसी अग्नि है? यह मानव को दाह कर देती है। मानव को चिन्तित कर देती है। अन्तःकरण को भस्मीभूत कर देती है। शक्ति के जो ज्ञान तन्तु हैं,उनको भी यह शोकातुर हो करके भस्म कर देती है।

परन्तु इस अग्नि का जो द्वितीय स्वरूप है, वह मानव को प्रदीप्त बना देता है। यह मानव को पुरोहित बना देती है, मानव को योगेश्वर बना देती है और मानव को व्याख्याता बना देती है। हे राम! यही जो वाणी है जिससे पुरोहित गान गा रहा है। राष्ट्र का पुरोहित बना हुआ है और पराविद्या को अपनाता हुआ अपने को महान् बनाना चाहता है। यही वाणी है,जो मधुर बन जाती है और मधुर बन करके 'अहिंसा परमोधर्मः' की प्रतिभा को मानव के जीवन में धारण करा देती है। हे राम! तुम्हें यह प्रतीत है कि जब गान गाते रहते हैं तो हमारे दोनों के गान में सिंह राज हमारी वैदिक ध्वनि को श्रवण करता रहता है। वह श्रवण क्यों कर रहा है? क्योंकि हमारी वाणी में मधुरता आ गयी है, हमारी वाणी में 'अहिंसा परमोधर्म' आ गया है। हिंसक प्राणी भी हमारे इन शब्दों को पान कर रहा है, क्योंकि वेद ईश्वरीय ज्ञान है। वाणी का उद्गान ब्रह्मा की गाथा गाने से है। दोनों का जब समन्वय हो जाता है उसी काल में सिंहराज अपनी हिंसा को त्याग देता है क्योंकि हिंसा आत्मा का लक्षण नहीं है। हिंसा मानव की आभा की कृति कहलाती है। परन्तु जब हम विचारते हैं कि 'अहिंसा परमोधर्म' मानव का स्वभाविक गुण है, प्रतिभा है,उस काल में हमें प्रतीत होने लगता है कि यह वाणी वास्तव में विशाल अग्नि है,यह दूसरों की सूक्ष्म अग्नि को अपने में धारण कर लेती है।'' प्रवचन सन्दर्भ ३०-04-1980

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

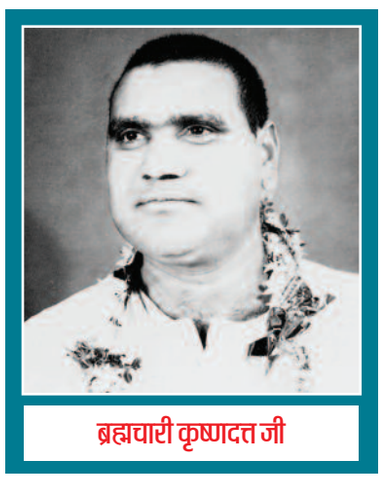

एक समय जब भगवान् राम ने महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज से प्रश्न किया कि ''प्रभु की महिमा कैसी है? तो उस समय महर्षि वशिष्ठ ने कहा कि प्रभु की महिमा को वही आत्मा जान सकता है,जो प्रभु की गोद में विराजमान हो जाये,अन्यथा साधारण व्यक्ति का प्रभु की महिमा जानना असम्भव है।३०-09-1964''

त्रेता के काल में भगवान् राम का इन प्राणों के ऊपर बड़ा आधिपत्य था। वशिष्ठ और माता अरुन्धती के चरणों में विद्यमान हो करके राम प्राणों का अध्ययन किया करते थे,वह प्राणों में पार्थिव आभा वाला जो प्राणायाम है,उसे किया करते थे,इसीलिए पृथ्वी के परमाणुओं का उन्हें बोध था और जहाँ पृथ्वी उष्ण है, अन्नाद् उत्पन्न करने वाली है,उस पृथ्वी में वह अन्नाद् की उत्पत्ति के लिए प्रयास करते रहते थे। प्रवचन सन्दर्भ १२-03198६ क्रमशः...

पहलगाम आतंकी हमले से सुलगते हुए सवाल अब मांग रहे हैं दो टूक जवाब

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है, क्योंकि इस क्रूर इस्लामिक मिजाज वाले हमले में दो दर्जन से ज्यादा लोग मरे गए हैं और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यहाँ पर बहशी आतंकियों ने जिस तरह से नाम पूछ-पूछ कर, कलमा पढ़वाने की बात करके, शक होने पर खतना चेक करके निर्दोष लोगों पर गोलियां बरसाई, उसने मानवता को हिलाकर रख दिया है। वहीं इस घटना के कई वीडियो जिस तरह से इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं, उनमें इस हमले की बर्बरता स्पष्ट दिखाई दे रही है। इसलिए पुनः सुलगता हुआ सवाल यही कि आखिर कबतक रुकेंगे ऐसे आतंकवादी हमले और इन्हें रोकने में हमारा प्रशासन हर बार क्यों विफल हो जाता है? अलबत्ता पहलगाम आतंकी हमले से सुलगते हुए सवाल अब मांग रहे हैं दो टूक जवाब, लेकिन आखिर इसे देगा कौन? यक्ष प्रश्न है! कहना न होगा की साँपों को दूध पिलाने वाले और आतंकियों को बिरियानी खिलाने वाले इस देश में अब आमलोगों की जिन्दगी में यही बदनसीबी बदी हुई है, क्योंकि पुलिस और सैन्यबल के जवान तो बड़े बड़े नेताओं, नौकरशाहों, जजों और उनके मित्र उद्योगपतियों की निर्विघ्न यात्रा के सम्पादन में जुटे हुए रहते हैं! वहीं ह्यमिनी स्विट्जरलैंड के नाम से मशहूर पहलगाम की वादियों में पुख्ता सुरक्षा इंतजाम क्यों नहीं किए गए, यह जम्मू-कश्मीर की उमर अब्दुल्ला सरकार और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि यह उनकी स्पष्ट लापरवाही नहीं तो फिर क्या है, वही बता सकते हैं? आपको बता दें कि यह आतंकी हमला मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे हुआ, जिसमें करीब 50 राउंड फायरिंग की गई। लश्कर-ए-तैयबा (छीळ) से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट (ळफ्रः) ने इस घृणित काम की जिम्मेदारी ली है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये है कि इस आतंकी घटना के पीछे का कारण क्या है? आखिर क्यों दहशतगर्तों ने पहलगाम और पर्यटकों को ही निशाना बनाया? वहां भी महिलाओं और बच्चों को छोड़कर सिर्फ पुरुषों को ही निशाना क्यों बनाया?

सवाल यह भी है कि अमरनाथ यात्रा से पहले ही पहलगाम में पर्यटकों को निशाना क्यों बनाया गया? मसलन कुछ लोगों ने यह बताया है कि ये आतंकवादी हमले ह्यवक्फ अधिनियम में संशोधन के बाद नरेंद्र मोदी सरकार को एक बड़ा संदेश देना चाहते थे और इसलिए उन्होंने अपना सारा गुस्सा पर्यटकों पर ही निकाला है। क्योंकि वायरल वीडियो में से एक वीडियो में पीड़िता कहते हुए दिख रही है कि उसके पति को गोली मारने के बाद आतंकी ने कहा था 'बता देना अपने मोदी को।' इससे साफ है कि क्या वो देश की सरकार को यह संदेश देना चाह रहे थे कि वो उनकी किसी भी बात को नहीं मानेंगे?

ऐसे में पुनः वही सवाल उठता है कि क्या कश्मीर में कांग्रेस के सहयोग से निर्वाचित नेशनल कांफ्रेंस की उमर अब्दुल्ला सरकार में आतंकवाद फिर से जिंदा हो चुका है? क्योंकि जिस तरह से अमरनाथ यात्रा से पहले ये सुनियोजित और अप्रत्याशित हमला हुआ है, उसने एक बार फिर से कश्मीर में आतंकवाद के जिंदा होने का स्पष्ट प्रमाण दे दिया है। अलबत्ता अब सांप भाग जाने पर लकीर पीटने जैसी कार्रवाई से खोया हुआ पर्यटक विश्वास तुरंत बहाल नहीं किया जा सकता है। क्योंकि ये आतंकी हमला कोई पहली बार नहीं हुआ है जब अमरनाथ यात्रा के बेस कैंप पहलगाम को निशाना बनाया गया है।

आंकड़े बताते हैं कि इससे पहले 6 अगस्त 2002 को पहलगाम में एक शिविर पर हुए हमले में नौ लोग मारे गए थे, जबकि 20 जुलाई 2001 को भी एक शिविर पर हुए हमले में 13 लोगों की मौत हो गई थी। यदि देखा जाए तो बीते ढाई दशक में इस तरह का यह 11वां बड़ा हमला है, जिनमें अभी तक 227 लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

दरअसल जम्मू-कश्मीर में आम लोगों पर हुए बड़े आंतकी हमलों में एक आतंकी हमला 21 मार्च 2000 की रात को अनंतनाग जिले के छत्तीसिंहपोरा गांव में किया गया था। जिसमें आतंकियों ने अल्पसंख्यक सिख समुदाय को निशाना बनाया गया था। इस आतंकी हमले में कुल 36 लोगों की जान गई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल भी बताए गए थे वहीं इसी साल यानी 2000 के अगस्त माह में पहलगाम के नुनवान बेस कैंप आतंकी हमला हुआ था जिसमें अमरनाथ तीर्थ यात्रियों को निशाना बनाया गया थो इस हमले में स्थानीय लोगों के साथ-साथ कुल 32 तीर्थ यात्रियों की हत्या की गई थी

इसके बाद जुलाई 2001 में भी अमरनाथ यात्रियों को आतंकियों ने फिर निशाना बनाया। इस हमले में आतंकियों ने 13 लोगों की हत्या की थी ये हमला अनंतनाग के शेषनाग बेस कैंप पर हुआ था। वहीं जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में राज्य विधानमंडल परिसर पर आत्मघाती आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 36 लोग मारे गए थे जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वहीं वर्ष 2002 में कश्मीर के चंदनवारी बेस कैंप पर आतंकी हमला हुआ, जिसमें 11 अमरनाथ यात्री मारे गए थे। वहीं 23 नवंबर 2002 को जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस से विस्फोट किया गया थो इस हमले में 9 सुरक्षाकर्मी, तीन महिलाएं और दो बच्चों समेत 19 लोगों की जान चली गई थी। ऐसे में आप खुद सोचिए कि जब आगामी 27 जून, 2025 से अमरनाथ यात्रा शुरू हो रही है, जो पहलगाम से ही शुरू होती है। ऐसे में उसी इलाके को आतंकियों ने निशाना बनाकर बहुत खतरनाक संदेश दिया है।

सवाल यह भी है कि जब सऊदी अरब में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहुंचे थे, जयपुर में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस घूम रहे थे, तब ये आतंकी हमला क्यों किया गया? इसका मकसद क्या है? क्या यह हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच नफरत की खाई और चौड़ी करने का एक और प्रयास है? शायद अब यह सम्भव भी हो सकता है क्योंकि अब लोगों को ह्यकश्मीरियत और जम्हूरियत जैसे शब्द उसी तरह से डरायेंगे, जैसे कि मुर्शिदाबाद में गंगा-जमुनी तहजीब वाले शब्द डराते हैं। क्योंकि हर जगह खतने वाली सोच की निर्णायक खता तय करने में हमारा संविधान और उससे बनीं सरकारें अबतक निरर्थक प्रतीत हुईं हैं हालाँकि जनता ने इनकी परिभाषा तो तभी समझ ली थी जबकि 1989 में भाजपा नेता टीकालाल टपलू को श्रीनगर स्थित घर में घुसकर मार डाला गया, जब जज नीलकंठ गंजू को हाईकोर्ट के पास ही मार डाला गया, जब रावलपुरा में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना समेत भारतीय वायुसेना के 4 जवानों को मार डाला गया, और जब बुजुर्ग कवि सवार्नंद कौल को उनके बेटे सहित घर में ही फाँसी पर लटका दिया गया। इसलिए जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला, सिर्फ आतंकी हमला नहीं है बल्कि यह इस्लामी आतंकी हमला है। जिसमें हिन्दुओं को चुन चुन कर निशाना बनाया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुरुष पर्यटकों को कलमा पढ़वाकर, उनके पैंट खोलवाकर देखा गया कि उनका खतना हुआ है या नहीं। और जिन-जिनका खतना नहीं हुआ था, उन्हें जान से हाथ धोना पड़ा। वहीं टीवी परदे पर भी एक बड़े मैदान में लाशें पड़ी दिखीं, महिलाएँ चीख-चीख कर मदद माँगती दिखीं। इनमें कई ऐसे जोड़े भी थे जो नई-नई शादी के बाद हनीमून मनाने गए थे। इसलिए ये जख्म उन्हें हमेशा सालते रहेंगे। धरती के स्वर्ग कश्मीर में हुई नृशंसता वो कभी नहीं भूल पाएंगे। दरअसल, ये अनुच्छेद-370 और 35अ को निरस्त किए जाने के बाद का सबसे बड़ा आतंकी हमला है। इसके लिए वहां की निर्वाचित सरकार भी जिम्मेदार है।

बता दें कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादी के नेतृत्व में हुए हमले में 6 आतंकी शामिल थे हमले में आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल हुआ। इस हमले की कमान खुद पाकिस्तानी आतंकवादी के हाथ में थी। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, इस हमले में दो विदेशी आतंकी हैं। इन आतंकवादियों के पास एक-47 जैसी राइफल मौजूद थी। इनकी तलाश में दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग-पुलवामा और सोपिया इलाके में सुरक्षाबलों का ऑपरेशन हुआ। अब तक की जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। पता चला है कि पहलगाम आतंकवादी हमले की कमान खुद पाकिस्तानी आतंकवादी संभाल रहा था। उसके साथ मौजूद आतंकवादियों में कम से कम एक और विदेशी आतंकवादी भी शामिल था। आतंकवादियों की तादाद लगभग आधा दर्जन थी। यह भी पता चला है कि इन आतंकवादियों के पास आधुनिक हथियारों से लेकर आपस में बात करने वाले आधुनिक उपकरण भी मौजूद थे।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

वेंकेटेश्वरा में 'वन नेशन-वन इलेक्शन' बिल पर 'यूथ सम्मिट-2025' का शानदार आयोजन

श्री वेंकेटेश्वरा विश्वविद्यालय में 'एक राष्ट्र -एक चुनाव' विषय पर 'युवा सम्मेलन-2025' का हुआ शानदार आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकेटेश्वरा विश्वविद्यालय में 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' विषय पर 'युवा सम्मेलन-2025' का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि / वक्ता के रूप में प्रतिभाग करते हुए प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मन्त्री श्री कपिलदेव अग्रवाल ने 'वन नेशन वन इलेक्शन' बिल के फायदे गिनाते हुए कहा कि इस शानदार राष्ट्रवादी बिल के लागू होने से जहां एक ओर समय एवं धन की बचत होने के साथ -साथ मतदान प्रतिशत बढ़ेगा, वही दूसरी ओर देश के नागरिक विशेष रूप से युवा जातिवाद, क्षेत्रवाद, वर्ण, धर्म, सम्प्रदाय से उपर उठकर राष्ट्र विकास की मुख्य धारा में जुड़कर विकसित भारत के निर्माण में अपना प्रभावी योगदान दे सकेंगे।

श्री वेंकेटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान के अब्दुल कलाम आजाद सभागार में 'वन नेशन - वन इलेक्शन' बिल के समर्थन में आयोजित 'युवा सम्मेलन-2025' का शुभारम्भ मुख्य अतिथि व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मन्त्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर प्रदेश शासन श्री कपिलदेव अग्रवाल, वेंकेटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो.(डा.) कृष्णकान्त दवे, उदयगिरि गोस्वामी, शुभम चौधरी, हिमांशु त्यागी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मन्त्री कपिलदेव अग्रवाल ने कहा कि आदरणीय प्रधानमन्त्री जी के राष्ट्रहित के सबसे बड़े 'ड्रीम प्रोजेक्ट' में से एक 'वन नेशन - वन इलेक्शन' बिल के लागू होने से पूरे देश में सामाजिक समरसता के साथ राष्ट्रवाद की अवधारणा मजबूत होगी। वही इससे बार-बार होने वाले अलग-अलग चुनावों में सरकारी धन एवं समय के दुरूपयोग पर अंकुश लगेगा साथ ही साथ चुनावों के दौरान होने वाली आपराधिक घटनाओं के ग्राफ में भी कमी आयेगी।

इस बिल के लागू होने से इस देश के किसी भी नागरिक का कोई नुकसान नही होने वाला बल्कि प्रत्येक नागरिक विशेष रूप से युवा वर्ग इससे बहुत ज्यादा लाभान्वित होंगे। इस बिल का विरोध केवल कुछ चंद लोग जो देश में 'राजनैतिक एवं आर्थिक अस्थिरता' पैदा करना चाहते है, वो लोग करना चाहते है। लेकिन अब देश की पढ़ी-लिखी युवा पीढ़ी उनके झांसे में नही आने वाली है। हम सबको मिलकर नये मजबूत अखण्ड एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए आगे आना होगा।

एक दिवसीय 'युवा सम्मेलन-2025' को प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो.(डा.) कृष्णकान्त दवे, कुलसचिव प्रो.(डा.) पीयूष पाण्डेय, डा. मधु चतुर्वेदी आदि ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर डीन अकेडमिक डा. राजेश सिंह, डा. दिनेश गौतम, डा. सी.पी. सिंह, डा. एस.एन. साहू, डा. एल.एस. रावत, डा. एना एरिक ब्राउन, डा. मनीष शर्मा, डा. राजवर्धन, डा. आशुतोष सिंह, डा. अश्विनी सक्सेना, डा. धीरज दुबे, डा. ओमप्रकाश सिंह, डा. अनिल कुमार जायसवाल, डा. स्नेहलता गोस्वामी, डा. नीतू पंवार, डा. ज्योति सिंह, डा. मंजरी राणा, हिमानी चौहान, हरप्रीत कौर, हुमा, तहसीर, पूजा कुमारी, अनुषा कर्णवाल, सुमनदीप कौर, हिमानी गरजोला, पूजा एरी, सहर्ष वाल्टर, शुऐब, अखिल कुमार, अनुज कुमार, जुबैर, एस.एस. बघेल, मारुफ चौधरी एवं मेरठ परिसर से निदेशक डा. प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

गन्ना मूल्य भुगतान एवं अशदान भुगतान की समीक्षा के लिए बैठक आहूत

समीक्षा बैठक में वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 में चीनी मिलों की गन्ना पेराई, चीनी परता प्राप्त किये जाने की समीक्षा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। आयुक्त, सभागार में आज मेरठ मण्डल के मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। आज आयोजित इस समीक्षा बैठक में मेरठ मण्डल के जिला गन्ना अधिकारी, मेरठ, बागपत, हापुड, गाजियाबाद एवं बुलन्दशहर एवं चीनी मिल किनौनी, सिम्भावली, ब्रजनाथपुर, मलकपुर, मोदीनगर एवं बुलन्दशहर के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आयुक्त, मेरठ मण्डल, मेरठ द्वारा चीनी मिलों द्वारा प्रस्तुत भुगतान कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए बैठक में उपस्थित जिला गन्ना अधिकारियों से प्रस्तुत कार्ययोजना के अनुपालन के सम्बंध में पूछा गया, जिस पर सम्बन्धित जिला गन्ना अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया, कि सन्दर्भित चीनी मिलों द्वारा प्रस्तुत भुगतान कार्ययोजना का अनुपालन किया जा रहा है।

मण्डलायुक्त, मेरठ ने चीनी मिल किनौनी, मोदीनगर, सिम्भावली, ब्रजनाथपुर, मलकपुर एवं बुलन्दशहर द्वारा आगामी तीन माह अप्रैल, मई, जून 2025 हेतु प्रस्तुत कार्ययोजना की समीक्षा की गई।

उपर्युक्त अंकित कार्ययोजना के सम्बंध में जिला गन्ना अधिकारी, मेरठ, बागपत, हापुड, गाजियाबाद एवं बुलन्दशहर को अधीनस्थ चीनी मिलों से अवशेष गन्ना मूल्य के सम्बंध में माहवार निर्धारित लक्ष्य का अनुपालन कडाई से कराये जाने के निर्देश दिए।

आयुक्त, मेरठ मण्डल, मेरठ ने निर्देश दिए कि यदि चीनी मिलों द्वारा टैगिंग का अनुपालन नहीं किया जाता है, तो सन्दर्भित चीनी मिलों के गन्ना क्षेत्र में कटौती किये जाने हेतु प्रस्ताव आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, उ.प्र., लखनऊ को प्रेषित किया जाए।

बैठक के दौरान मण्डलायुक्त, मेरठ ने वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 के अन्तर्गत चीनी मिल किनौनी, सिम्भावली, ब्रजनाथपुर, मलकपुर, मोदीनगर एवं बुलन्दशहर के अवशेष गन्ना मूल्य/अंशदान की समीक्षा करते हुए चीनी मिल प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि मिल प्रतिनिधि गन्ना कृषकों के बकाया गन्ना मूल्य का शत-प्रतिशत भुगतान शीघ्र करें। चीनी मिलों को विगत पेराई सत्रों से चले आ रहे ब्ततल व्अमत को खत्म किये जाने निर्देश देते हुए अन्य संशाधनो से धनराशि जुटाकर गन्ना मूल्य भुगतान शत-प्रतिशत तत्काल किये जाने के कडे निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान मण्डलायुक्त, मेरठ द्वारा वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 में गन्ना मूल्य चीनी मिलों की गन्ना खरीद, पेराई, चीनी उत्पादन व रिकवरी की स्थिति, पर भी गहन समीक्षा की गयी। इस पेराई सत्र में उत्पादकता, चीनी परता, कम आने के कारणों के दृष्टिगत चीनी मिलों को निर्देश दिया गया कि गन्ना विकास कार्यो पर अत्यधिक बल देते हुए रोग कीटों के आपतन को कम करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें। बैठक में उपस्थित गन्ना विभाग के अधिकारी एवं चीनी मिल अधिकारी को बैठक में दिए गए निर्देशों का अनुपालन कड़ाई से कराये जाने के निर्देश दिए गए।

समीक्षापरान्त पाया गया कि दिनांक 23.04.2025 तक भुगतान किये जाने की स्थिति निम्नवत है : (धनराशि करोड)

क्र.सं.	नाम चीनी मिल	जनपद	ग्रुप	माहवार	निर्धारित लक्ष्य		लक्ष्य प्राप्ति		
			अप्रैल	मई	जून	अप्रैल	मई	जून	
1	2	3	4	12	13	14	9	10	11
1	किनौनी	मेरठ	बजाज	55.00	60.00	60.00	42.80	.	.
2	मोदीनगर	गाजियाबाद	मोदी	08.00	20.00	20.00	16.84	.	.
3	सिम्भावली	हापुड	सिम्भावली	9.30	25.20	25.20	31.20	.	.
4	ब्रजनाथपुर	हापुड	सिम्भावली	8.60	10.97	9.61	11.10	.	.
5	मलकपुर	बागपत	मोदी	15.00	40.00	40.00	14.80	.	.
6	बुलन्दशहर	बुलन्दशहर	वेव	20.00	19.87	19.87	20.80	.	.

गन्ना मूल्य भुगतान एवं गन्ना बुवाई को प्राथमिकता दें चीनी मिलें: गन्ना मंत्री

गन्ना मंत्री की अध्यक्षता में वर्ष 2024-25 के बसंतकालीन गन्ना बुआई की प्रगति एवं लक्ष्य पर की गई विस्तृत समीक्षा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ द्वारा गन्ना किसानों के त्वरित गन्ना मूल्य भुगतान तथा गन्ना किसानों के व्यापक हितों के दृष्टिगत दिये गये निदेर्शों के क्रम में प्रदेश के गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी की अध्यक्षता एवं प्रमुख सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास श्रीमती वीना कुमारी की उपस्थिति में प्रदेश की समस्त निजी, सहकारी एवं निगम क्षेत्र की चीनी मिल समूहों के ग्रुप हेड, एकल इकाईयों के महाप्रबन्धक/यूनिट हेड्स, वित्त नियंत्रकों तथा मुख्यालय एवं परिक्षेत्रों के समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ लाल बहादुर शास्त्री, गन्ना किसान संस्थान, लखनऊ के सभागार में समीक्षा हुई जिसमें परिक्षेत्रीय उप गन्ना आयुक्तों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया।

समीक्षा बैठक में गन्ना मंत्री, द्वारा चीनी मिलों को पेराई सत्र 2024-25 के अवशेष गन्ना मूल्य का तत्काल भुगतान सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिये गये। गन्ना मंत्री ने मुख्यालय एवं परिक्षेत्रों के अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि चीनी मिलें एवं गन्ना किसान एक दूसरे के पूरक हैं तथा गन्ना मूल्य का त्वरित भुगतान कानूनन बाध्यता तो है ही वरन् किसान व चीनी मिल के परस्पर विश्वास एवं गन्ने की दीर्घकालीन व्यवस्था हेतु भी आवश्यक है। इसलिये चीनी मिलें अपनी धनराशि की व्यवस्था करते हुए भुगतान तत्काल सुनिश्चित करायें। गन्ने के अच्छे उत्पादन के लिये किस्मों का बदलाव, अच्छे बीज की उपलब्धता, पर्याप्त गन्ना बुआई एवं फसल की उत्पादकता हेतु चीनी मिलें विकास कार्यक्रमों पर भी धनराशि व्यय करें, जिससे किसानों को उत्पादन बढ़ाने व लागत कम करने में मदद मिले। गन्ना किसानों के हित में चीनी मिलें चिन्हित/डेडीकेटेड खाते में उपलब्ध करायें समुचित धनराशि तथा किसानों के लिये व्यय करने को आगे बढ़कर योगदान दें। गन्ने के साथ चुकन्दर की सहफसली खेती अच्छा विकल्प हो सकता है। चीनी मिलें इससे एथनॉल का उत्पादन बढ़ा सकती हैं, अतः डिफ्यूजर लगाने पर विचार करें। उन्होंने बताया कि चीनी मिलों द्वारा डेडीकेटेड एकाउन्ट में 193 करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई गयी है, जो किसानों को विभिन्न विकास कार्यो में अनुदान के रूप में प्रदान की जायेगी। गन्ना मंत्री ने समीक्षा बैठक में टिशू कल्चर, मृदा परीक्षण एवं जैविक उर्वरक/बायोकन्ट्रोल लैब की स्थिति तथा आगामी पेराई सत्र हेतु बसंतकालीन गन्ना बुआई, गन्ने की उत्पादकता, इण्टरक्रापिंग एवं ड्रिप इरिगेशन, यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के साथ ही सहकारी गन्ना विकास समितियों के भवनों का जीर्णोद्वारा एवं गन्ना समितियों में स्थापित/संचालित संस्थाओं के संबंध में चीनी मिलों एवं विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये तथा विभाग द्वारा संचालित ''मुख्यमंत्री गन्ना कृषक कार्यक्रम'' से संबंधित मास्टर टेज्नर प्रशिक्षण के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की तथा निर्देश दिये गये कि किसानों की गुणवत्तापूर्ण टेजनिंग सुनिश्चित करायी जाये।

प्रमुख सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास श्रीमती वीणा कुमारी ने भी गन्ना किसानों के गन्ना मूल्य भुगतान की समीक्षा की तथा गन्ना किसानों के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान का शत-प्रतिशत भुगतान समय से करने हेतु चीनी मिलों को कड़े निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश की समस्त चीनी मिलें समय से किसानों का अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान नहीं करती हैं, तो संबंधित चीनी मिलों के विरूद्ध आर.सी. जारी करते हुए, कठोर दण्डात्मक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

प्रमुख सचिव ने वर्ष 2024-25 के बसन्तकालीन गन्ना बुआई के प्रगति एवं लक्ष्यों के संबंध में आवश्यक निर्देश चीनी मिलों एवं वर्चुअल रूप से जुड़े परिक्षेत्रीय विभागीय अधिकारियों को दिये, साथ ही प्रदेश की सहकारी गन्ना विकास समितियों के भवनों का जीर्णोद्वार एवं गन्ना समितियों में स्थापित/संचालित संस्थाओं के संबंध में भी चर्चा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

समीक्षा बैठक में आयुक्त, गन्ना एवं चीनी प्रमोद कुमार उपाध्याय, अपर गन्ना आयुक्त (प्रशासन) प्रणय सिंह, अपर गन्ना आयुक्त (विकास) वी. के. शुक्ल, अपर गन्ना आयुक्त (समितियां) डा.वी.बी. सिंह, अपर गन्ना आयुक्त (क्रय) विश्वेश कनौजिया, विभागीय अधिकारियों तथा चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ यू.पी. शुगर मिल्स एसोसिएशन के महासचिव तथा सभी चीनी मिलों के मुख्य वित्त अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

50 मास्टर ट्रेनर करेंगे किसानों को प्रशिक्षित: राजेश मिश्र

बुलंदशहर। कृषि विज्ञान केंद्र बुलंदशहर में मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत न्याय पंचायत स्तर पर गन्ना कृषकों को प्रशिक्षण देने हेतु 50 मास्टर ट्रेनरो का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ उप गन्ना आयुक्त राजेश मिश्र द्वारा फीता काटकर किया गया इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी अधिकारी डॉ० रीशू सिंह जिला गन्ना अधिकारी बुलंदशहर श्री अनिल कुमार भारती ,पदम श्री कृषक श्री भारत भूषण त्यागी ज्येष्ट गन्ना विकास

निरीक्षक अनूपशहर श्री ज्ञान प्रकाश तिवारी, ज्येष्ट गन्ना विकास निरीक्षक अगौता श्री मनीष सिंह,ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक बुलंदशहर श्री राम प्रसाद कुशवाहा सहित पाचो गन्ना विकास परिषदों से 50 मास्टर ट्रेनरों ने उपस्थित होकर प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया प्रशिक्षण के अवसर पर उपगन्ना आयुक्त श्री राजेश मिश्र ने मास्टर ट्रेनर को न्याय पंचायत स्तर पर उन्नत खेती के बारे में प्रशिक्षित कर पश्चिम से पूर्व में उत्पादकता में आ रही कमी को दूर करने के साथ लाभकारी गन्ना खेती बनाने पर जोर दिया।

पदम श्री भारत भूषण त्यागी ने संबंधित गन्ना खेती के साथ-साथ सहफसली ,जैविक खेती के साथ पर्यावरण संरक्षण के साथ फसल विविधता पर जोर दिया। डॉक्टर रीशू सिंह ने गन्ने के कीट एवं रोगो का निदान व नियंत्रण करने के बारे में बताया कृषक श्री राकेश सिरोही ने ट्रेंच विधि से खेती करने व ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक श्री ज्ञान प्रकाश तिवारी ने गन्ना प्रजाति बदलाव करने मनीष सिंह ने संतुलित उर्वरक एवं खाद प्रयोग के बारे में तथा ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक श्री राम प्रसाद कुशवाहा ने भूमि एवं बीज उपचार के बारे में प्रशिक्षित किया साथ ही प्रगतिशील महिला कृषक श्रीमती ममतेश देवी ने भूमि की उर्वरता एवं उत्पादकता शक्ति के विषय पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम गन्ना किसानों के प्रति समर्पण और उनकी प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है: बृजेश पटेल

- कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर में संपन्न हुआ गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय सत्र

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर में गन्ना विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम, मेरठ जनपद के छह महत्वपूर्ण गन्ना विकास परिषदों के 60 प्रतिबद्ध मास्टर ट्रेनरों की सक्रिय भागीदारी का साक्षी बना, क्षेत्र के गन्ना किसानों के सशक्तिकरण और गन्ना उत्पादन की क्रांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह गहन तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम महज सूचनाओं का आदान-प्रदान नहीं था, बल्कि यह ज्ञान, कौशल और नवीन तकनीकों के हस्तांतरण का एक जीवंत मंच था। इसका प्राथमिक उद्देश्य मास्टर ट्रेनरों को नवीनतम वैज्ञानिक अनुसंधानों और कृषि पद्धतियों से लैस करना था, ताकि वे जमीनी स्तर पर किसानों को प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन कर सकें और गन्ने की खेती को अधिक लाभकारी उद्यम में बदल सकें।

प्रशिक्षण सत्र की विषय-वस्तु अत्यंत व्यापक और वर्तमान कृषि परिदृश्य की आवश्यकताओं के अनुरूप थी। डा० शुभम आर्य द्वारा गन्ने के साथ सहफसली खेती की अवधारणा को प्रस्तुत किया गया जो किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत उत्पन्न करने और भूमि के अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित करने की दिशा में एक दूरदर्शी दृष्टिकोण है। इसी प्रकार, श्री इन्द्रजीत यादव द्वारा पादप सुरक्षा और रोग कीट नियंत्रण पर दिया गया प्रशिक्षण, फसल की बबार्दी को कम करने और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करता है। आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम में गन्ना समितियों में उपलब्ध फार्म मशीनरी के कुशल उपयोग पर श्री प्रदीप यादव ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों तक पहुंच प्राप्त करने और श्रम लागत को कम करने में फार्म मशीनरी बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, सोमवीर सिंह द्वारा पेड़ी प्रबंधन की उन्नत तकनीकों पर जोर दिया गया, उन्होने किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने और मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

चीनी मिल मवाना के डी०जी०एम० हरिओम शर्मा द्वारा टीशू कल्चर तकनीक का परिचय देते हुए बताया गया कि यह गन्ने के बीज उत्पादन के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखता है। यह तकनीक न केवल कम समय में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी, बल्कि रोगमुक्त और अधिक उपज देने वाली किस्मों के विकास में भी सहायक होगी।

सिंचाई प्रबंधन के महत्व को रेखांकित करते हुए सुधीर सिंह ने जल संरक्षण और फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई की विधियों पर प्रकाश डाला, जो जल संकट के इस दौर में अत्यंत महत्वपूर्ण है। अंत में, श्री जयदीप गुप्ता द्वारा गन्ने की बुवाई के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की तैयारी पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई उन्होने कहा कि फसल की नींव को मजबूत करने और बेहतर अंकुरण सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ता इस तथ्य से और बढ़ जाती है कि इसमें जिला गन्ना अधिकारी श्री ब्रजेश पटेल और कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डा० राकेश तिवारी जैसे उच्च अधिकारियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने अनुभवों तथा विचारों को मास्टर ट्रेनरों के साथ साझा किया। उनकी उपस्थिति और प्रेरणादायक शब्दों ने मास्टर ट्रेनरों के मनोबल को बढ़ाया और उन्हें अपने दायित्वों को और अधिक प्रभावी ढंग से निभाने के लिए प्रेरित किया।

जिला गन्ना अधिकारी बृजेश पटेल ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूरगामी प्रभाव होगा। प्रशिक्षित 60 मास्टर ट्रेनर अब अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों के लिए कार्य करेंगे। वे न्याय पंचायत और पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर किसानों को गन्ने की उन्नत खेती तकनीकों, नवीनतम सरकारी योजनाओं से अवगत कराएंगे। इससे प्रशिक्षण से न केवल गन्ने की उत्पादकता में वृद्धि होगी, बल्कि किसानों की आय में भी सुधार आएगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होने कहा कि यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण योजना के तहत गन्ना विभाग के किसानों के प्रति समर्पण और उनकी प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

निष्कर्षतः, कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर में संपन्न हुआ यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मेरठ के गन्ना किसानों के लिए एक उज्जवल भविष्य का संकेत है। यह ज्ञान और कौशल के प्रसार का एक शक्तिशाली माध्यम है, जो किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और गन्ना उत्पादन को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह कार्यक्रम न केवल एक प्रशिक्षण सत्र था, बल्कि यह प्रगति, समृद्धि और सशक्तिकरण के एक नए युग का सूत्रपात भी है।

उच्च गुणवत्ता के साथ समयसीमा में बनकर तैयार हो गंगा एक्सप्रेसवे: मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने निमार्णाधीन गंगा एक्सप्रेसवे का किया भ्रमण और प्रगति का लिया जायजा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हरदोई/शाहजहांपुर/हापुड़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को निमार्णाधीन गंगा एक्सप्रेसवे का भ्रमण किया और यूपीडा व निर्माण में जुटी एजेंसियों को उच्च गुणवत्ता के साथ समयसीमा में एक्सप्रेसवे को तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने एक्सप्रेसवे पर ग्रुप-1 और ग्रुप-2 के तहत हो रहे निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष जताया, जबकि ग्रुप-3 और ग्रुप-4 के तहत चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं एक्सप्रेसवे पर कार से यात्रा (राइड) की और क्वालिटी पर खुशी जताई। वहीं उन्होंने पहली बार एक्सप्रेसवे में उपयोग में लाई जा रही जर्मन तकनीक को भी विस्तार से समझा। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने कार्य कर रहे श्रमिकों से भी मुलाकात की और उनके साथ फोटो शूट भी कराया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने तीन जनपदों में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की प्रगति को देखा। सबसे पहले वह हरदोई के बिलग्राम तहसील स्थित ग्रुप-3 के 347+000 चैनेज पर गए, जबकि यहां से वह शाहजहांपुर के जलालाबाद स्थित बदायूं-हरदोई ग्रुप-2 पर 242 +650 चैनेज का भी भ्रमण किया। अंत में वह हापुड के गढ़मुक्तेश्वर तहसील के तहत मेरठ-बदायूं ग्रुप-1 पर स्थित 62+200 चैनेज पहुंचे और प्रगति का जायजा लिया।

रोड क्वालिटी और कम्फर्ट के विषय में ली जानकारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे पहले हरदोई जनपद के मल्लावां व माधोगंज विकास खण्ड में गंगा एक्सप्रेस वे का निरीक्षण करने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हसनपुर गोपाल के पास एक्सप्रेसवे के हेलीपैड पर उतरने के बाद कुछ दूर पैदल चलकर एक्सप्रेसवे को देखा। उन्होंने कार से करीब 5 किलोमीटर की दूरी भी तय की। वहीं, उन्हें रोड क्वालिटी और रोड कम्फर्ट के लिए ज्यूरिख यूनिवर्सिटी द्वारा उन्नत टेक्नोलॉजी से भी अवगत कराया गया, जिस पर उन्होंने खुशी जताई। इस दौरान उन्होंने यूपीडा के अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक्सप्रेसवे के इस ग्रुप को समय सीमा के अंतर्गत गुणवत्ता के साथ पूरा कराएं।

इसके बाद मुख्यमंत्री जलालाबाद, शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य को देखने पहुंचे। यहां उन्होंने हवाई सर्वे के माध्यम से कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने 3.5 किमी. लंबी एयरस्ट्रिप का एरियल सर्वे भी किया। इस एयरस्ट्रिप पर 2 और 3 मई को एयरशो का आयोजन किया जाना है। अभी तक किसी भी एयरस्ट्रिप पर नाइटलैंडिंग नहीं की गई है। गंगा एक्सप्रेसवे पर पहली बार मुख्यमंत्री जी की मौजूदगी में नाइट लैंडिंग कराए जाने की योजना है।

कृषि, पर्यटन, व्यापार और निवेश के मिलेंगे नए अवसर

यह एक्सप्रेसवे न सिर्फ राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास को बल देगा, बल्कि छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों को भी राज्य की मुख्यधारा से जोड़ेगा।

कृषि, व्यापार, पर्यटन और निवेश के नए अवसर इस एक्सप्रेसवे के माध्यम से पैदा होंगे। यह परियोजना प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण योगदान मानी जा रही है, जो भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इस परियोजना की निगरानी कर रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि काम गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा हो।

594 किमी. लंबा है गंगा एक्सप्रेसवे

यूपीडा के एसीईओ श्रीहरि प्रताप शाही ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे 4 ग्रुप्स में बन रहा है। तीन ग्रुप (2,3,4) को अडानी बना रहा है और एक ग्रुप को आईआरबी कंपनी द्वारा पीपीपी मॉडल पर बनाया जा रहा है। रायबरेली-प्रयागराज की ओर बने ग्रुप-4 को छोड़कर मुख्यमंत्री जी ने बाकी तीनों ग्रुप्स का भ्रमण किया और प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों को आपस में जोड़ते हुए मेरठ से प्रयागराज तक लगभग 594 किलोमीटर लंबा है। एक्सप्रेसवे का भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 दिसंबर 2021 को शाहजहांपुर में किया था। इसकी शुरूआत मेरठ-बुलंदशहर मार्ग (एनएच-334) पर मेरठ के बिजौली ग्राम से होगी और समापन प्रयागराज बाईपास (एनएच-19) पर जुडापुर दांदू गांव पर होगी।

श्रमिकों से की मुलाकात, कराया फोटोशूट

इसके बाद मुख्यमंत्री हापुड़ में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की प्रगति देखने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हापुड़ में गंगा पर बने ब्रिज को भी देखा, इस ब्रिज पर उन्होंने चहलकदमी भी की। मजदूरों के साथ फोटो सेशन कराया। उनका हाल जाना और 18 महीने में पुल बनाने के लिए उनकी और आईआरबी के स्टाफ की प्रशंसा की। यहां उन्हें परियोजना निदेशक ने गंगा एक्सप्रेसवे के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर तीनों स्थानों पर मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से भी संवाद किया और उन्हें गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्यों पर ब्रीफ करते हुए निगरानी के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री जी के साथ जनपद के जनप्रतिनिधिगढ़ के साथ ही मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और यूपीडा के अधिकारीगण मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे की खासियत

- गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण 6 लेन में किया जा रहा है, जिसे जरूरत पड़ने पर 8 लेन में विस्तारित किया जा सकता है।
- इसके राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) की चौड़ाई 120 मीटर है, जबकि डिजाइन स्पीड 120 किमी. प्रति घंटा है।
- यह एक्सप्रेसवे 4 ग्रुप्स में बंटा हुआ है और प्रत्येक ग्रुप में 3 पैकेज हैं।
- इसके तहत 9 जनसुविधा परिसरों का भी निर्माण हो रहा है, जहां यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी।
- वहीं, 2 मुख्य टोल प्लाजा (मेरठ एवं प्रयागराज) के साथ 19 रैंप टोल प्लाजा (4 नए सम्मिलित) शामिल हैं।
- गंगा नदी पर लगभग 960 मीटर और रामगंगा नदी पर लगभग 720 मीटर लंबाई का दीर्घ सेतु भी प्रस्तावित है।
- यही नहीं, शाहजहांपुर (तहसील जलालाबाद) के पास 3.5 किमी. की हवाई पट्टी का भी निर्माण प्रस्तावित है।
- इस एक्सप्रेसवे से कुल 12 शहर जुड़ेंगे, जिनमें मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ एवं प्रयागराज हैं। कुल 518 गांव एक्सप्रेसवे से आच्छादित हो रहे हैं।
- 7453.15 हेक्टेयर भूमि पर निमार्णाधीन एक्सप्रेसवे की कुल लागत 36,230 करोड़ रुपए है।

शाहजहांपुर में बनी देश की पहली नाइट लैंडिंग हवाई पट्टी, फाइटर प्लेन भी कर सकेंगे अभ्यास

गंगा एक्सप्रेसवे से खुलेगा विकास का द्वार, शाहजहांपुर में मुख्यमंत्री योगी ने दिखाई भविष्य की झलक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

शाहजहांपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर तैयार 3.50 किलोमीटर लंबी आधुनिक हवाई पट्टी का रविवार को निरीक्षण किया। यह देश की पहली ऐसी पट्टी होगी, जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन-रात लैंडिंग कर सकेंगे। फाइटर प्लेन यहां पूर्वाभ्यास भी कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई पट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इससे आवागमन सुरक्षित होगा और किसी भी अपराधिक वारदात की आशंका पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई कर सकेगी।

गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार: प्रयागराज से गाजीपुर, मेरठ से हरिद्वार तक होगा सफर सुगम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा एक्सप्रेसवे के विस्तार की बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि इसे प्रयागराज से गाजीपुर तक बढ़ाया जाएगा। साथ ही मेरठ को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। शाहजहांपुर में एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक हब बनाने की योजना है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में नई जान आएगी।

फरुर्खाबाद लिंक से जुड़ेगा बुंदेलखंड, उद्योगों की बिछेगी नई बुनियाद

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे को फरुर्खाबाद से लिंक एक्सप्रेसवे के जरिए बुंदेलखंड से जोड़ा जाएगा। इससे बुंदेलखंड में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को गति मिलेगी। योगी ने विश्वास जताया कि गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य नवंबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

आज 'नया भारत' पर्यावरण के क्षेत्र में भी दुनिया का पथप्रदर्शक बन रहा है: मुख्यमंत्री

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर पेड़ लगाने की अपील

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की चर्चा की। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर इस अभियान की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज 'नया भारत' पर्यावरण के क्षेत्र में भी दुनिया का पथप्रदर्शक बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में आगामी 5 जून 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के एक वर्ष पूर्ण होने पर देशवासियों को इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया है।

हर भारतवासी को प्रकृति से अपने रिश्ते को प्रगाढ़ करने का अवसर देता है यह अभियान

मुख्यमंत्री ने लिखा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान हर भारतवासी को प्रकृति से अपने रिश्ते को प्रगाढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर इस अभियान में जुड़ना, एक वृक्ष लगाना और उसे अपनी मां के चरणों में समर्पित करना पुण्य कार्य है।

मां जीवन व वृक्ष प्राणवायु देते हैं

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट करते हुए लिखा कि मां जीवन देती हैं, वृक्ष प्राणवायु देते हैं। दोनों के प्रति कृतज्ञता का यह अनुपम संगम प्रधानमंत्री जी की दूरदृष्टि और संवेदनशील नेतृत्व का जीवंत प्रमाण है। आज 'नया भारत' पर्यावरण के क्षेत्र में भी दुनिया का पथप्रदर्शक बन रहा है।

2024 में यूपी ने लगाए थे 36.81 करोड़ पौधे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विगत आठ वर्ष में 204.92 करोड़ पौधरोपण किया है। वहीं इस वर्ष सीएम योगी के नेतृत्व में 36.81 करोड़ पौधरोपण किया गया। इस वर्ष भी इस अभियान को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के नेतृत्व में वन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है।

गेहूं बिक्री के लिए प्रतिदिन एक हजार से अधिक किसानों ने कराया पंजीकरण

सत्र 2025-26: योगी की नीतियों को मिला किसानों का साथ, 42 दिन में 4,20,837 किसानों ने करा लिया है पंजीकरण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार की सकारात्मक नीति के कारण किसान सरकारी बिक्री की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बिक्री के लिए 42 दिन में 4,20, 837 किसानों ने करा पंजीकरण करा लिया है यानी सत्र 2025-26 में औसतन प्रतिदिन एक हजार से अधिक किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण कराया है। अब तक 1.19 लाख से अधिक किसानों से लगभग 6.57 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद भी की जा चुकी है। गेहूं खरीद 17 मार्च से प्रारंभ हुई थी, जो 15 जून तक चलेगी। वहीं योगी सरकार के निर्देश पर रविवार को अवकाश के दिन भी खाद्य व रसद विभाग के अधिकारियों ने गांव-गांव पहुंचकर किसानों से संपर्क स्थापित किया।

औसतन एक हजार किसानों ने प्रतिदिन कराया पंजीकरण

गेहूं खरीद 17 मार्च से प्रारंभ हुई थी। 17 मार्च से 27 अप्रैल तक (42 दिन) में 4,20, 837 किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण कराया है। यह आंकड़े बताते हैं कि योगी सरकार की नीतियों से प्रसन्न होकर प्रतिदिन एक हजार किसान गेहूं खरीद कर रहे हैं। योगी सरकार के निर्देश पर क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए शुद्ध पेयजल, छाजन समेत सभी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

जिन किसानों ने नहीं कराया पंजीकरण, अभी भी करा सकते हैं पंजीकरण व नवीनीकरण

जिन किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए अभी तक पंजीकरण या नवीनीकरण नहीं कराया है, वे fcs.up.gov.in या UPX KIYSXANX MXIYTRYA पर पंजीकरण-नवीनीकरण करा सकते हैं। गेहूं बिक्री के लिए इस पोर्टल/मोबाइल ऐप पर पंजीकरण अनिवार्य है। किसान अपनी समस्या 18001800150 पर भी अंकित करा रहे हैं, जिसका निस्तारण अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित कराया जा रहा है।

रविवार को भी फील्ड में रहे अफसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एक तरफ जहां सुबह 8 बजे रात्रि 8 बजे तक प्रतिदिन क्रय केंद्र खुले हैं। वहीं अवकाश में भी अफसर गांव-गांव पहुंचकर किसानों से संपर्क स्थापित कर रहे हैं। रविवार को अवकाश के दिन भी खाद्य व रसद विभाग के अधिकारियों ने किसानों से वार्ता करते हुए मोबाइल क्रय केंद्र के जरिए गेहूं खरीद की।

खास बातें

- गेहूं खरीद- 42 दिन (17 मार्च से प्रारंभ)
- गेहूं खरीद के लिए पंजीकृत किसान- 4,20,837
- गेहूं बिक्री करने वाले किसानों की संख्या- 1,19,614
- किसानों से हुई सरकारी खरीद- 6.57111 लाख मीट्रिक टन
- गेहूं क्रय केंद्रों की संख्या- 5849
- न्यूनतम समर्थन मूल्य- 2425 रुपये प्रति कुंतल
- उतराई, छनाई व सफाई के लिए दिए जा रहे-अतिरिक्त 20 रुपये

मोदी का विजन और योगी के प्रयास से बदल रही यूपी के स्ट्रीट वेंडर्स की जिंदगी

यूपी के 19.92 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को मिला पीएम स्वनिधि योजना का लाभ

- **पीएम स्वनिधि योजना में पूरे देश में पहले पायदान पर है उत्तर प्रदेश**

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम स्वनिधि योजना ने उत्तर प्रदेश में सफलता के नए आयाम छू लिए हैं। योजना के तहत यूपी में 100.25 प्रतिशत की प्रभावशाली सफलता दर के साथ अब तक 19,92,242 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य 19,87,330 से अधिक है। कोरोना काल में आर्थिक रूप से टूट चुके रेहड़ी-पटरी व्यवसाई (स्ट्रीट वेंडर्स) के लिए पीएम मोदी के इस विजन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सतत मॉनीटरिंग के जरिए जमीनी धरातल पर उतारते हुए सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है। हाल ही में सामने आई यूपी स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी (यूपी एसएलबीसी) की रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है। यूपी एसएलबीसी की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पीएम स्वनिधि 2.0 के तहत उत्तर प्रदेश में प्रथम चरण में 13,22,250 लाभार्थियों को लक्षित किया गया था, जिसमें से 13,90,948 को ऋण वितरित किया गया, जो 105.20 प्रतिशत की उपलब्धि है। इसी तरह द्वितीय चरण में 6,13,350 के लक्ष्य के मुकाबले 5,24,442 लाभार्थियों को योजना का लाभ मिला, जो 85.50 प्रतिशत है। वहीं तृतीय चरण में 51,730 के लक्ष्य के मुकाबले 76,872 लाभार्थियों को बैंकों ने ऋण प्रदान किया, जोकि 148.60 प्रतिशत की शानदार उपलब्धि है। इस कार्य के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित प्रदेश में अपनी सेवाएं दे रहे 95 बैंकिंग और वित्तीय संस्थाओं ने अपने दरवाजे गरीब पटरी व्यवसाइयों की मदद के लिए खोल दिये। इसमें सर्वाधिक योगदान देने वाले टॉप फाइव पब्लिक सेक्टर के बैंकों में क्रमशः स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (5,59,458), पंजाब नेशनल बैंक (3,01,287), बैंक ऑफ बड़ौदा (2,88,824), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (1,94,873) और इंडियन बैंक (1,69,950) शामिल हैं।

आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही रेहड़ी-पटरी वालों का बढ़ा आत्मसम्मान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से इस योजना को प्रदेश के हर कोने तक पहुंचाने के लिए व्यापक रणनीति अपनाई गई। उनके नेतृत्व और सतत मॉनीटरिंग में सरकार ने न केवल लक्ष्य से अधिक लाभार्थियों को योजना से जोड़ने में कामयाबी हासिल की, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि यह लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे। यही कारण है कि पीएम स्वनिधि योजना को धरातल पर उतारने के मामले में यूपी देश में पहले पायदान पर है। प्रधानमंत्री मोदी के संकल्पों की सिद्धि के लिए हर मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर विशेष जोर देकर कहा कि पीएम स्वनिधि योजना न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि यह छोटे व्यवसायियों और रेहड़ी-पटरी वालों के आत्मसम्मान को भी बढ़ाती है। बता दें कि योजना 1 जून 2020 को शुरू की गई थी और इसका लक्ष्य पात्र रेहड़ी-पटरी वालों को बिना किसी गारंटी 10,000 रुपये तक का प्रारंभिक ऋण, समय पर चुकाने पर 20,000 रुपये और फिर 50,000 रुपये तक का ऋण प्रदान करना है। योजना के तहत 31 दिसंबर 2024 तक 19,92,242 लाभार्थियों को लाभ मिल चुका है। 31 दिसंबर के बाद फिलहाल नये आवेदन नहीं लिये जा रहे हैं।

सेहत/स्वास्थ्य

मॉर्निंग वॉक पर जाने के दौरान न करें ऐसी गलतियां, वरना बीमार पड़ सकते हैं आप

बहुत सारे लोग मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं। लेकिन मॉर्निंग वॉक का सही तरीका भी जानना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि गलत तरीके से सैर करना आपको बीमार कर सकता है। इसलिए मॉर्निंग वॉक के दौरान आपको इन गलतियों से बचना चाहिए।

अनन्या मिश्रा

बहुत सारे लोग मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं। लेकिन मॉर्निंग वॉक का सही तरीका भी जानना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि गलत तरीके से सैर करना आपको बीमार कर सकता है। मॉर्निंग वॉक सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे आपके शरीर को लाभ मिलता है और मांसपेशिया मजबूत होती हैं। साथ ही इससे हड्डियां स्वस्थ रहती है, वेट कंट्रोल में रहता है और दिल स्वस्थ रहता है। लेकिन अगर आप सही तरीके से वॉक नहीं करते हैं, तो यह फायदा की जगह आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

कुछ लोग मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले नींद पूरी नहीं करते हैं। जिसके कारण बाद में उनको थकान और चिड़चिड़ापन महसूस होता है। साथ ही शरीर को मॉर्निंग वॉक का पूरा फायदा भी नहीं मिल पाता है। इसलिए सही से सुबह की सैर करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सुबह की सैर पर जाने से पहले क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

न खाएं हैवी खाना

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले हैवी भोजन करना सेहत के लिए हानिकारक होता है। इससे आपको पाचन संबंधी समस्या हो सकती है। सुबह के दौरान हल्का और पोषणयुक्त भोजन करना चाहिए। आप सुबह दलिया, फल, दही और सेवइयां आदि खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती है और आप सैर के लिए तैयार होते हैं।

पानी जरूर पिएं

सुबह की सैर पर निकलने से पहले थोड़ा सा पानी पीना चाहिए। वॉक के दौरान शरीर में उचित हाइड्रेशन बनाए रखने के लिए पानी पीना चाहिए। सुबह पानी पीने से शरीर की एनर्जी बढ़ती है और आप ज्यादा सक्रिय रहते हैं। इसलिए सैर पर जाने से पहले पानी पीना जरूरी होता है।

सही शूज का चयन

मॉर्निंग वॉक के लिए सही और आरामदायक फुटवियर का चयन बहुत जरूरी है। आपके शूज पैरों के लिए फिट होने चाहिए। सैर के लिए अच्छी ग्रिप वाले शूज चुनना चाहिए। जिससे कि आप फिसलने से बचें। इसके अलावा शूज का सही साइज का होना जरूरी है। जिससे कि आपके पैरों को किसी तरह की दिक्कत न हो।

वार्मअप है जरूरी

बता दें कि सुबह की सैर शुरू करने से पहले वार्मअप करना जरूरी होता है। इससे आपके शरीर की गर्मी बढ़ती है और मांसपेशियां वॉक के लिए तैयार होती हैं। सुबह मॉर्निंग वॉक से पहले 5-10 मिनट वार्मअप करना चाहिए। वार्मअप आपके शरीर को तैयार करने के साथ ही चोट की आशंका को कम करता है। सैर से पहले वॉर्मअप करना सुरक्षित और स्वस्थ सैर के लिए जरूरी माना जाता है।

तेज गति से न करें शुरूआत

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक मॉर्निंग वॉक का एक तरीका होता है, जिस पर अधिकतर लोग ध्यान नहीं देते हैं। सुबह वॉक पर जाने से पहले थोड़ा पानी पीना चाहिए। फिर कुछ हल्का-फुल्का नाश्ता जैसे- केला, शकरकंद या ओट्स का सेवन करें। पैरों के मुताबिक शूज का चयन करें, जिससे कि वॉक के दौरान दिक्कत न हो। साथ ही शुरूआत में तेज चलने से बचना चाहिए और दूसरों को देखकर मॉर्निंग वॉक नहीं करनी चाहिए। बल्कि अपनी सुविधानुसार वॉक करें और बाद में थोड़ा सा पानी पिएं।

घरेलू नुस्खे

डैंड्रफ से हो गए हैं परेशान तो अपनाएं ये नुस्खा, हेल्दी और शाइनी होंगे बाल

बालों में डैंड्रफ की समस्या होना वैसे तो आम बात है। लेकिन सर्दियों में यह समस्या अधिक बढ़ जाती है। अगर आप भी डैंड्रफ की समस्या से परेशान हैं, तो हम आपको एक घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं।

अनन्या मिश्रा

बालों में डैंड्रफ की समस्या होना वैसे तो आम बात है। लेकिन सर्दियों में यह समस्या अधिक बढ़ जाती है। हालांकि इससे निपटने के लिए लोग कई तरीके भी अपनाते हैं। लेकिन फायदा नहीं मिलता है। ऐसे में अगर आप भी डैंड्रफ की समस्या से परेशान हैं, तो हम आपको एक घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं। इस उपाय को अपनाने से न सिर्फ बाल खूबसूरत दिखेंगे बल्कि डैंड्रफ की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा।

बता दें कि कई बार मौसम की मार या गलत हेयर प्रोडक्ट के इस्तेमाल से भी डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। ऐसे में यदि इसका समय पर इलाज न किया जाए, तो स्कैल्प में एलर्जी हो जाती है और बाल झड़ने लगते हैं। ऐसे में आप यह नुस्खा अपना कर अपने बालों की केयर कर सकते हैं।

सर्दियों में होता है डैंड्रफ

हर बदलता मौसम अपने साथ ढेरों खुशियों के साथ अलावा तमाम परेशानियां भी लेकर आता है। सर्दियों में अक्सर हम सभी गर्म पानी से नहाते हैं तो यह हमारी त्वचा के साथ स्कैल्प से ऑयल खत्म करता है। इसकी वजह से स्कैल्प ड्राई होना शुरू हो जाती है। ड्राई स्कैल्प पपड़ी का रूप लेकर जलन पैदा करता है और कई बार बाल झड़ना शुरू होता है। यह बालों की खूबसूरती को कम करने लगता है।

कौन सी चीजें जिम्मेदार

ड्राई या ऑयली स्कैल्प ही नहीं बल्कि मलेसेजिया और सेबोरहाइक जैसे फंगल इंफेक्शन के कारण भी डैंड्रफ होता है। कई बार ऐसा हार्मोनल परिवर्तन की वजह से भी ऐसा होता है। वहीं हेल्दी डाइट आयरन ,फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स की कमी के कारण भी बाल कमजोर होने लगते हैं और स्कैल्प पर पपड़ी जमनी शुरू हो जाएगी। ऐसे में कुछ नेचुरल उपाय अपनाकर आसानी से डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा पा सकती हैं।

कपूर से बनाएं हेयर ऑयल

हेयर ऑयल को बनाने के लिए 2-3 भीमसेनी कपूर को अच्छे से क्रश करें। बाउल में डालकर इसमें नींबू का रस मिक्स करें। फिर एक कप के करीब गरम नारियल तेल में इसे मिक्स कर लें। अब इसको सप्ताह में तीन दिन बालों में अप्लाई करें और किसी माइल्ड शैंपू से बालों को धो डालें। इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

दूर होगा डैंड्रफ

भीमसेनी कपूर में एंटीफंगल प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं, जो फंगस की ग्रोथ को रोकने में सहायक होती है। साथ ही इसमें कूलिंग प्रॉपर्टीज स्कैल्प को ठंडक पहुंचाती है और जलन को कम करता है। इसको बालों में अप्लाई करने से यह हेयर फोलिकल्स को खोलता है और बालों की ग्रोथ में सहायक होता है। नींबू के रस में एसिडिक प्रॉपर्टीज की वजह से स्कैल्प के पीएच लेवल को बैलेंस रखकर फंगस की ग्रोथ को रोकता है।

पर्यटन

बनारस से एकदम नजदीक हैं ये हिल स्टेशन, गर्मियों की छुट्टियों में बनाएं फैमिली ट्रिप का प्लान

गर्मियों की छुट्टियां बच्चों की पड़ चुकी है। ऐसे में बच्चें माता-पिता को परेशान कर रहे हैं कि समर वैकेशन में कहीं घूमने चलें। अगर आप भी कहीं फैमिली के साथ घूमने की सोच रहे हैं तो यहआर्टिकल सिर्फ आपके लिए है। हम आपको बताएंगे बनारस से एकदम नजदीक हिल स्टेशन के बारे में, जहां आप फैमिली के साथ जा सकते हैं।

दिव्यांशी भदौरिया

बच्चों की गर्मियों की छुट्टी शुरू हो चुकी है। ऐसे में गर्मी का कहर भी जारी है, ताबड़तोड़ गर्मी पड़ रही है। अगर आप भी गर्मी से बचना चाहते हैं तो इन हिल स्टेशन पर जरुर जाएं। वाराणसी के आसपास घूमने के लिए कोई ठंडी जगह देख रहे हैं , तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आइए जानते हैं इन प्लेसेस या हिल स्टेशनों के बारे में जिन्हें आप वाराणसी उत्तर प्रदेश के आसपास देख सकते हैं।

मसूरी

यह हिल स्टेशन पहाड़ों की रानी के नाम से प्रसिद्ध है। मसूरी समुद्र तल से लगभग 6561 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। मसूरी यात्रा के दौरान आप अपने परिवार के साथ शिवालिक पर्वतमाला और दून घाटी के रहस्यमय दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। इस हिल स्टेशन पर आपको आरामदायक कैफे, बेहतरीन होटल, चर्च और बाजारों का चहल-पहल देख सकते हैं।

नैनीताल

कुमाऊं क्षेत्र में एक हिमालयी रिसॉर्ट शहर, नैनीताल, नैनी झील के आसपास स्थित है। यह हिल स्टेशन वाराणसी के सबसे नजदीकी हिल स्टेशनों में से एक है। यहां पर आप नैना देवी के दर्शन भी कर सकते हैं। वहीं, आप यहां नैनी झील में बोटिंग का मजा ले सकते हैं। यहां पर कई सुंदर नजारे का मजा ले सकते हैं।

मुक्तेश्वर

उत्तर प्रदेश के सबसे नजदीक हिल स्टेशनों में से एक है मुक्तेश्वर। मुक्तेश्वर समुद्र तल से 7,122 फीट की ऊंचाई पर स्थित एक आकर्षक गांव है। नैनीताल से लगभग 50 किमी दूर है मुक्तेश्वर। यहां पर लोकप्रिय मुक्तेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।

अल्मोड़ा

अल्मोड़ा पुराने ओक और पाइंस ट्री से घिरा हुआ है। अल्मोड़ा में पुराने मंदिरों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हिमालय के मनोरम दृश्यों पर गर्व करता है। यहां पर चौक बाजार, कारखाना बाजार और सबसे फेमस , 200 साल पुराना लाल बाजार काफी प्रसिद्ध है।

कौसानी

बनारस के नजदीक सबसे मशूहर हिल स्टेशन की तलाश कर रहे हैं, तो आप कौसानी जा सकते हैं। यहां शहर के जीवन की हलचल से दूर एक बेहतरीन प्लेस है। कौसानी आपको त्रिशुल, पंचचूली और नंदा देवी जैसी हिमालय की चोटियों के रहस्यमयी दृश्यों का मजे लें सकते हैं।

लैंसडाउन

लैंसडाउन उत्तराखंड का एक ऐसा हिल स्टेशन है जो आत्मा को सुकून देने वाला है। यहां पर नीले देवदार के पेड़ों, गहरे ओक के जंगलों और शक्तिशाली पहाड़ों के आसपास का आनंद लेता है।

रानी खेत

हिमालय की लहरदाप पहाड़ियों और शानदार सदाबहार सुंदर दृश्य आपके मन को लुभा देगी। यह सेब के बागों से घिरा और अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता को समेटे हुए, यह घास का मैदान अपने शांत वातावरण और नंदा देवी चोटी के मनोरंजक दृश्यों के लिए जाना जाता है।

ब्यूटी / फैशन

सिर्फ 60 सेकेंड रुल से करें त्वचा की देखभाल

गर्मियों में त्वचा की देखभाल करना बेहद जरुरी है। आप गर्मी में स्किन केयर के लिए 60 सेकेंड रुल फॉलो करना चाहिए, इससे काफी निखार आता है।

दिव्यांशी भदौरिया

समर सीजन में स्किन की देखभाल करना बहुत जरुरी है। प्रदूषण, लू और गर्म हवाएं के कारण, त्वचा का सीधा संपर्क हमारी स्किन से होता है। ऐसे में स्किन की केयर करना जरुरी है। जब स्किन की देखभाल करने के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि चेहरे की क्लीनिंग और प्रॉपर तरीके से मॉइस्चराइजिंग करना। क्या आप जानते हैं कि इस सीजन में स्किन के लिए सिर्फ इतना करना काफी नहीं है? अपनी स्किन केयर करने के लिए आप 60 सेकेंड्स रुल अपना सकते हैं।

क्या है 60 सेकेंड रुल

60 सेकेंड रुल फेस क्लीनिंग करने का एक तरीका है। जब हम अपना फेस धोते हैं, तो चेहरे पर फेस वॉश अप्लाई और 15 से 20 सेकेंड के लिए हल्के हाथों से चेहरे को रब करके। इसके बाद साफ पानी से चेहरा वॉश कर लेते हैं।

लेकिन आपको चेहरे का 60 सेकेंड तक फेस वॉश करना चाहिए। इससे फेस पर चिपकी गंदगी निकल जाती है और चेहरा अच्छी तरह से क्लिंज हो जाता है। 60 सेकेंड रुल फॉलो करने के फायदे-

चेहरे का निखार बढ़ता है

अगर आप भी नियमित रुप से 60 सेकेंड रुल फॉलो करते हैं, तो इससे स्किन की डीप क्लीनिंग होती है। वहीं चेहरे पर चमक आती है।

कील-मुंहासे दूर होते हैं

कई बार चेहरे पर चिपकी धूल की वजह से कील-मुंहासों की समस्या हो जाती है। अगर आप नियमित रुप से 60 सेकेंड रुल अप्लाई करती हैं, तो इससे चेहरे के दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं। वहीं पिंपल की समस्या नहीं होगी।

ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है

60 सेकेंड रुल को फॉलो करते समय चेहरे को सर्कुलर मोशन में रब किया जाता है। इससे चेहरे की मसाज होती है, जिससे ब्लड सकुर्लेशन में सुधार होता है। जब ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है, तो इससे स्किन का ग्लो बढ़ता है। याद रखें कि यह तरीका सिर्फ ऑयली स्किन वालों के लिए। अगर किसी की स्किन बहुत सेंसिटिव है या स्किन से जुड़ी कोई परेशानी होती है, तो इस रुल को फॉलो न करें।

भाजपा का एनजीओ एवं सामाजिक संगठन संवाद कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

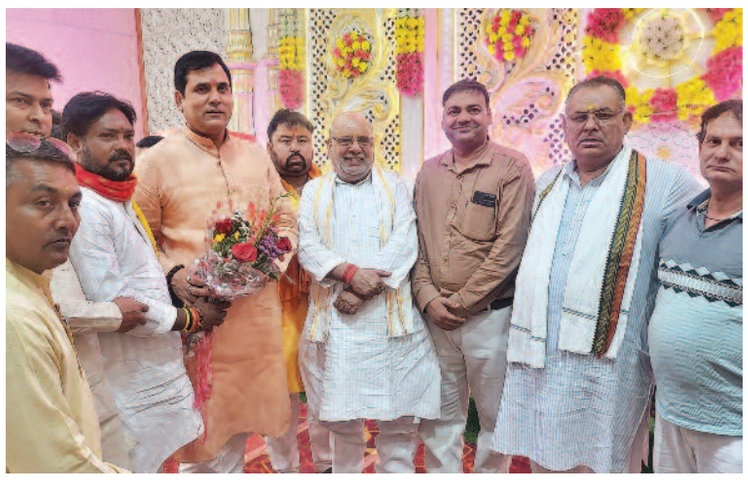

मोदीनगर। भारतीय जनता पार्टी जिला गाजियाबाद एक राष्ट्र, एक चुनाव' अभियान के अंतर्गत भाजपा द्वारा एन जी ओ एवं सामाजिक संगठन संवाद कार्यक्रम विशेष कार्यक्रम का आयोजन लोनी विधानसभा के भगवती पैलेस इन्द्रापुरी में जिलाध्यक्ष चौधरी चैनपाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद ने आज एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार को सशक्त समर्थन देने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य देशभर में एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव कराने की अवधारणा को लेकर व्यापक जनचर्चा करना तथा इस ऐतिहासिक सुधार के महत्व को उजागर करना है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल ने इस अवसर पर एन जी ओ एवं सामाजिक संगठनों के अध्यक्षों एवं पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव भारत के लोकतंत्र को अधिक मजबूत, व्यय में कटौती करने वाला और शासन व्यवस्था को अधिक स्थिर बनाने वाला कदम है।

इससे विकास कार्यों में आने वाली रुकावटें कम होंगी और सरकारें अपना कार्यकाल बिना किसी बाधा के पूरा कर सकेंगी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रामकुमार त्यागी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि लगातार चुनावी गतिविधियों के कारण शासन व्यवस्था बाधित होती है, इसलिए एक साथ चुनाव समय और संसाधनों की बचत का माध्यम बन सकता है ।कार्यक्रम में जिला स्तरीय आए हुए एन जी ओ एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारीयों ने और समाज के जनप्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। और एकमत से सुझाव दिया कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की दिशा में विधायी सुधार और सभी समाजिक संगठनों के बीच सहमति अत्यंत आवश्यक है। भाजपा जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह ने इस विषय पर जन जागरूकता अभियान चलाने की भी घोषणा की, जिसमें कार्यकर्ता गाँव-गाँव एवं वार्ड में जाकर नागरिकों को इस पहल के लाभ समझाएंगे। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष एवं संयोजक कौमुदी चौधरी एवं जिला मिडिया प्रभारी धजय खारी ने संयुक्त रूप से किया। मोदीनगर के सहसंयोजक अपराजिता सिंह रही। इस दौरान मुख्य रूप से शक्ति सेवा संस्था के अध्यक्ष एम एन शास्त्री एवं सरिता चौधरी ने अपने विचार व्यक्त किए। एन जी ओ एवं सामाजिक संगठनों के अध्यक्षों भाजपा जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्षों एवं सभासदों सहित मोर्चा जिलाध्यक्ष विभाग प्रकल्प प्रकोष्ठ के संयोजकों सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पहलगाम आतंकी हमले की घोर निंदा, शोकाकुल परिवारों के साथ व्यक्त की संवेदना : शेखर त्यागी तलहैटा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन क्षेत्र में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए बर्बर आतंकी हमले की कठोर शब्दों में निंदा करता है। धर्म पूछकर निर्दोष सैलानियों को गोली मारने का यह कायराना कृत्य मानवता के मूल्यों पर कलंक है। इस भीषण हमले में 26 नागरिकों की निर्मम हत्या कर दी गई तथा कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह घटना सामाजिक समरसता और सभ्यतागत मूल्यों पर कुठाराघात है, जिसे किसी भी रूप में सहन नहीं किया जा सकता। वहीं किसान पुत्र शेखर त्यागी ने इस भीषण त्रासदी में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता है और शोक- संतप्त परिवार के साथ इस दुःख की घड़ी में साथ खड़े रहने कि बात कही।

यह वीभत्स हमला आतंकवाद की जड़ें नष्ट करने की अनिवार्यता को पुनः रेखांकित करता है। त्यागी ने केंद्र सरकार से मांग करता है कि हमले में संलिप्त आतंकियों और उनके स्थानीय सहयोगियों की पहचान कर कठोरतम दंड सुनिश्चित किया जाए। साथ ही कश्मीर घाटी में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले समस्त तंत्र को ध्वस्त कर, इस पावन भूमि को आतंकमुक्त बनाया जाए। भारत की अखंडता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अब आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई अनिवार्य हो गई है। त्यागी ने कहा, 'जम्मू - कश्मीर के बैसरन में जो पाशविक हमला हुआ है, वह प्रत्येक नागरिक के हृदय को आहत करने वाला है। निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या मानवता पर सीधा प्रहार है।

आतंक के इन सौदागरों और उनके संरक्षकों को अब निर्णायक उत्तर देने का समय आ गया है। यह कायराना कृत्य न केवल सभ्यता के मूल्यों को चुनौती देता है, बल्कि भारत के सहिष्णु और शांतिप्रिय चरित्र पर भी एक संगीन हमला है। त्यागी ने बातया कि पहलगाम में आतंकी हमले को अंजाम देकर 26 लोगों की जान लेने वाला पाकिस्तान अब भी बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान की तरफ से शुक्रवार की देर रात छडउ पर अलग-अलग चौकियों से गोलीबारी की गई है। भारतीय सेना ने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से यह उकसावे की कार्रवाई बिना किसी कारण से की गई। बदले में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया।

शैक्षणिक विदेशी भ्रमण का आयोजन किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर।। विदेशी शैक्षणिक भ्रमण - मलेशिया सेंटर फार मैनेजमेंट डेवलपमेंट (सीएमडी), मोदीनगर, जो प्रतिष्ठित डॉ. के.एन. मोदी फाउंडेशन के अंतर्गत संचालित होता है, ने अपने एमबीए छात्रों को वैश्विक प्रबंधन दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से एक शैक्षणिक विदेशी भ्रमण का आयोजन किया है।

यह भ्रमण 25 अप्रैल से 29 अप्रैल 2025 तक मलेशिया में आयोजित किया जाएगा। फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. डी. के. मोदी के मार्गदर्शन और प्रेरणा से इस प्रकार की शैक्षणिक पहलों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है, जो छात्रों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनने में सक्षम बनाती हैं। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. रविंद्र कुमार ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें यात्रा के दौरान सभी सुरक्षा दिशा-निदेर्शों का पालन करने की सलाह दी।

उन्होंने छात्रों को इस अनुभव से अधिकतम लाभ उठाने, मलेशिया की संस्कृति, व्यापारिक वातावरण और प्रबंधन प्रथाओं को समझने के लिए प्रेरित किया। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्रों के साथ संस्थान के प्रवेश प्रबंधक सुधांशु चतुर्वेदी भी उपस्थित रहेंगे, जो पूरे कार्यक्रम में छात्रों की देखरेख और मार्गदर्शन करेंगे। सीएमडी, मोदीनगर सदैव से ही छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध रहा है, और यह अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक भ्रमण उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सनातन एकता संघ के पाधिकारियों ने बस स्टैंड पर फूंका आतंकवादियों का पुतला

- मोदीनगर में सनातन एकता संघ की तरफ से आंतकवादियों के खिलाफ शहर में जन आक्रोश रैली निकाली गई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। मोदीनगर में सनातन एकता संघ की तरफ से आंतकवादियों के खिलाफ शहर में जन आक्रोश रैली निकाली गई। आतंकवादियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भारत माता की जय का उद्घोष किया। बड़ी संख्या में पाधिकारियो ने भी रैली में हिस्सा लिया। घटना की निंदा करते हुए आतंकवादियों के एनकाउंटर की मांग की गई। इसके बाद पुतले में आग लगा दी। पाधिकारियो ने कहा कि आतंकवादियों की इस करतूत का सरकार को मुंहतोड़ जवाब देना होगा। एक भी आतंकवादी नहीं बचना चाहिए। इस तरह सरेआम लोगों की हत्या करने वाले किसी सूरत में बख्शे नहीं जाने चाहिए। सभी का एनकाउंटर होना चाहिए।

मोदी कॉलेज में विश्व पृथ्वी दिवस पर शिक्षकों और छात्रों को किया जागरूक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज गाजियाबाद में प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल के अध्यक्षता में पृथ्वी दिवस मनाया गया आज 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस यानी धरती को बचाने के प्रति आमजन को जागरूक करने का दिन।

प्रधानाचार्य डॉक्टर एस सी अग्रवाल जी ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि जीवाश्म इंधनों के अति इस्तेमाल ने ग्लोबल वार्मिंग का संकट खड़ा कर दिया है आज 5 लाख करोड़ प्लास्टिक बैग 1 वर्ष में इस्तेमाल किये जा रहे हैं और 10 लाख प्लास्टिक बोतल खरीदी जाती हैं प्रति मिनट दुनिया भर में 10 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्र में पहुंच गया है। हमें बहुत सजग रहने की आवश्यकता है छात्रों को इस संकल्प दिलाया कि आप समाज में अपने परिवारों में यह पांच काम करने के लिए लोगों को जागरूक करें जल संरक्षण करना सीखें , कचरे का उचित प्रबंधन करें ।वायु प्रदूषण कम करें केमिकल के इस्तेमाल में कमी करें, बिजली के इस्तेमाल में कमी करें और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए क्योंकि शोध में यह स्पष्ट हो गया है कि हरित क्षेत्र बढ़ाने से शहरों और कस्बों में सतह का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस कम हो सकता है ।इंसान जन्म के बाद अपनी माता के बिना रह सकता है लेकिन पृथ्वी माता और प्राकृतिक चीजों के बिना एक क्षण भी जीवित नहीं रह सकता हम अपनी जरूरत के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बहुत तेजी से दोहन कर रहे हैं अगर इनका संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ी को पृथ्वी जीवित रहने के लिए कुछ नहीं दे पाएगी। धरती बचाने के लिए जारी प्रयासों में आप सबका अहम योगदान दे सकते हैं। भारत के पास विश्व की मातृ 2.5 प्रतिशत भूमि है तथा करीब 6 प्रतिशत जल संसाधन है, जबकि यहां विश्व की करीब 18 प्रतिशत आबादी निवास करती है भारत बड़ी आबादी की जरूरत को पूरा करने के साथ जलवायु परिवर्तन से लड़ने के प्रयासों में अपनी भूमिका प्रभावी तरीके से निभा रहा है।

आज हमारा देश अपनी उर्जा जरूरतों के लिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है ।रसायन मुक्त कृषि को बढ़ावा देने के लिए भी किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। बच्चों को कक्षाओं में भी पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनो का संरक्षण करने के लिए जागरूक किया गया ।कुछ छात्र इस अवसर पर पृथ्वी बचाओ पोस्टर भी बना कर लाऐ। वर्तमान में वायु प्रदूषण बहुत ज्यादा बढ़ गया है लोगों के लिए खुली हवा में सांस लेना जहर को अपने अंदर लेने जैसा है ऐसे में गाड़ियों के इस्तेमाल को काम करके दूर नहीं जाना हो तो साइकिल का इस्तेमाल कर सकते हैं और धरती पर कचरा भी काफी मात्रा में बढ़ता जा रहा है उसका उचित प्रबंधन और रिसाइकलिंग नहीं होने के कारण जगह-जगह ढेर लगे रहते हैं जो वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण का कारण बनते हैं ।सबसे जरूरी है कि पॉलिथीन बैग के इस्तेमाल में कमी लाएं यह तभी हो सकता है जब हम समाज को जागरूक करेंगे। इस अवसर पर टीपी सिंह , विनीत कुमार, अजय कुमार ,राजीव कुमार ,तेजवीर सिंह ,कामिन सतीश कुमार अनिल कुमार मयंक कुमार का सहयोग प्रशंसनीय नहीं रहा ।प्रार्थना स्थल पर लगभग 2500 छात्र और सभी शिक्षक उपस्थित थे।

भारत विकास परिषद ने जन सूचना अधिकार में किए गए जन विरोधी संशोधन को वापस लिए जाने की मांग की

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। भारत परिषद के कार्यकताओं द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन उप जिला अधिकारी को सोपा गया। जिसमें सरकार द्वारा पारित डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल-2023 के द्वारा जनसूचना अधिकार 2005 में किये गये जन विरोधी संशोधन को वापिस लेने मांग की गई है ।भारत परिषद के राष्ट्रीय महासचिव योगेंद्र बल्हारा ने संस्था के कार्यकताओं के साथ तहसील मुख्यालय पर पहुंचकरमहामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन उप जिला अधिकारी को सोपा गया। जिसमें सरकार द्वारा पारित डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल-2023 के द्वारा जनसूचना अधिकार 2005 में किये गये जन विरोधी संशोधन को वापिस लेने मांग की है ।ज्ञापन के माध्यम आपको अवगत कराना है कि भारत परिषद अपने फिट इण्डिया अभियान के तहत देश में बढ़ते भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने हेतू वर्ष 1992 से सूचना है तो बताना है की मांग जनजागरण व गोष्ठियों द्वारा करता रहा है। इसी कड़ी में वर्ष 1997 में डा० अम्बेडकर आडिटोरियम लखनऊ में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था सूचना है तो बताना है संगोष्ठी की अध्यहा भारत परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा० चन्द्रभूषण पाण्डेय (पूर्व न्यायधीश) द्वारा की गयी तथा मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्य सचिव डा० योगेन्द्र नारायण रहे। भारत परिषद के अथक प्रयास के फलस्वरूप वर्ष 2005 में देश के नागरियों को भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एक ब्रहमास्त्र जनसूचना अधिकार कानून के रूप में मिला जिसने भ्रष्टाचार रोकने व सत्ता का दुरूपयोग रोकने के लिए देश के करोड़ों लोगों को सशक्त किया। लेकिन वर्तमान सरकार द्वारा निजता की सुरक्षा की आड़ में डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल-2023 पारित कर बिल की धारा 44(3) के द्वारा जनसूचना अधिकार 2005 को निष्प्रभावी कर लोकतन्त्र के लोकतान्त्रिक ढाचें को ध्वस्त तथा निरकुंश सत्ता व भ्रष्टाचारियों को संरक्षण एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है सुलभ संगयान हेतु अवगत कराना है कि जन सूचना अधिकार में निजता व सूचना अधिकार से पहले से ही संतुलन किया गया है। ज्ञापन देने वालों में योगेंद्र बल्हारा मुल्तान शर्मा गजेंद्र सिंह दबाना ईश्वर दयाल शर्मा दबाना श्यामसुंदर शर्मा विश्वजीत त्यागी विजेंद्र कौशिक सुनील अमरजीत एमपी दीक्षित आदि कार्यकर्ता थे।